website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

# दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 111 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 31 मार्च 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

# धोती पहन बजाया ड्रम, एलडीएफ-यूडीएफ पर बोला हमला

● केरल में दिखा पीएम मोदी का अलग अंदाज,बीजेपी को बताया युवाओं की पसंद

**पल्लकड़ (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को केरल दौरे पर रहे। उन्होंने विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में पलक्कड़ में जनसभा को संबोधित किया। जनसभा को संबोधित करने से पहले उन्होंने केरल के मशहूर ड्रम 'चेंडा' पर हाथ आजमाया। पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की जनता अब विकास और स्थिरता के लिए नए विकल्प की ओर देख रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केरल के युवा खासतौर पर बीजेपी और

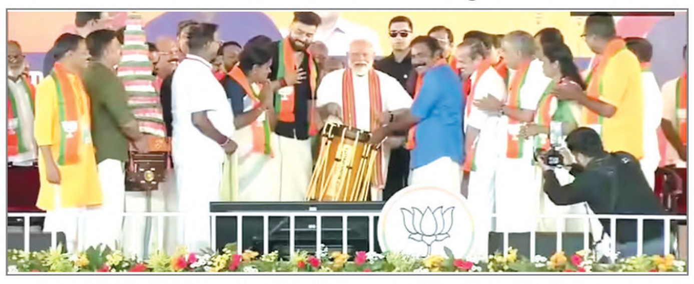

एनडीए की नीतियों से प्रभावित हो रहे हैं। पीएम ने कहा कि केरल अब बदलाव का संदेश दे रहा है। बीजेपी-एनडीए केरल के युवाओं की पसंद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार केरलम में एक अलग ही माहौल है। केरलम बदलाव का संदेश दे रहा है।

### बीजेपी के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत

पीएम मोदी ने कहा कि इस बदलाव के पीछे केरलम की जनता का आशीर्वाद है। इसके पीछे केरलम भाजपा के लाखों कार्यकर्ताओं की मेहनत है। हमारे कितने ही कार्यकर्ताओं ने यहां राजनीतिक हिंसा के कारण अपना जीवन खोया है, मैं आज उन सभी कार्यकर्ताओं को इस मंच से श्रद्धांजलि देता हूं। दशकों से केरलम स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। एक ओर एलडीएफ तो दूसरी ओर यूडीएफ। एक ओर कम्यूनिस्ट तो दूसरी ओर कांग्रेस। एक भ्रष्ट तो दूसरा महा भ्रष्ट।

### एलडीएफ यूडीएफ का सारी नीतियां वोट बैंक के लिए

एलडीएफ और यूडीएफ की सारी नीतियां सिर्फ वोटबैंक राजनीति के लिए ही होती है। इन्हें केरलम के विकास की कोई चिंता नहीं है। यहां बनने वाली एनडीए सरकार यहां का तेज विकास करेगी, विकसित केरलम बनाएगी, यह मोदी की गारंटी है। एलडीएफ यूडीएफ पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दशकों तक इन दोनों ने मिल बांटकर केरलम को लूटा। इनके बीच हमेशा से एक समझौता रहा है।

# भारतीय सेना की मारक क्षमता में 'प्रहार' लाएगी विस्तार

### लाइट मशीन गन की मिल गई पहली खेप,सैन्य शक्ति का नया अध्याय

**ग्वालियर (एजेंसी)।** भारतीय सेना की मारक क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सेना को 7.62 मिमी कैलिबर की 2000 'प्रहार' लाइट मशीन गन (एलएमजी) की पहली खेप मिल गई है। यह अत्याधुनिक हथियार 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत देश में ही निर्मित किए गए हैं। इन मशीन गनों का निर्माण अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस द्वारा किया गया है। कंपनी ने तय समय से पहले इनकी डिलीवरी कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जानकारी के अनुसार, कुल 40,000 'प्रहार' मशीन गनों की आपूर्ति का ऑर्डर दिया गया, जिसमें यह पहली खेप है। प्रहार का निर्माण अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने ग्वालियर के नजदीक मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित अपने स्माल आर्म्स कॉम्पलेक्स में किया है।

### प्रहार स्वदेशी और वजन अपेक्षाकृत हल्का

नई 'प्रहार' एलएमजी आधुनिक तकनीक से लैस है, जिससे सैनिकों को युद्ध के दौरान अधिक सटीकता और बेहतर फायरपावर मिलेगी। इनका वजन अपेक्षाकृत हल्का है, जिससे इन्हें कठिन इलाकों में आसानी से इस्तेमाल किया जा सकेगा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वदेशी स्तर पर इस तरह के हथियारों का निर्माण न केवल आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देगा, बल्कि सेना की परिचालन क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। यह कदम भारत की रक्षा तैयारियों को और सुदृढ़ करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### अमेरिका में ट्रम्प के खिलाफ 80 लाख लोगों का मार्च

● 3,300 जगह प्रदर्शन, वॉर व महंगाई को लेकर पद से हटाने की मांग

**वॉशिंगटन (एजेंसी)।** अमेरिका में शनिवार को राष्ट्रपति ट्रम्प के खिलाफ हुए 'नो किंग्स रैली' में 80 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूरे अमेरिका के सभी 50 राज्यों में 3,300 से ज्यादा जगहों पर ये प्रदर्शन आयोजित किए गए। आयोजकों ने बताया कि अक्टूबर में हुए पिछले नो किंग्स प्रदर्शनों की तुलना में इस बार करीब 10 लाख ज्यादा

लोग शामिल हुए और लगभग 600 ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि वे ट्रम्प सरकार की कई नीतियों से नाराज हैं। उनका गुस्सा खास तौर पर ईरान के साथ बढ़ते तनाव, सख्त इमिग्रेशन कार्रवाई और बढ़ती महंगाई को लेकर है। कई जगहों पर लोगों ने ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के खिलाफ पोस्टर दिखाए और उन्हें पद से हटाने की मांग की। व्हाइट हाउस ने इन प्रदर्शनों को थेरेपी सेशन बताते हुए कहा कि आम लोगों को इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। वहीं ट्रम्प का कहना है कि उनके फैसले देश को मजबूत बनाने के लिए हैं।

### पीएम नरेंद्र मोदी को किया फोन और हो गया काम

● भारत के मुरीद हुए श्रीलंकाई राष्ट्रपति, तेल के लिए कहा शुक्रिया

**कोलंबो (एजेंसी)।** ईरान युद्ध के बाद पैदा हुए ऊर्जा संकट के बीच तेल भेजने के लिए श्रीलंका ने भारत का धन्यवाद किया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा है कि भारत ने 38,000 मीट्रिक टन पेट्रोलियम सप्लाई भेजकर हमें मुश्किल से निकाला, जिसके लिए हम आभारी हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने रविवार को बताया कि उनकी इस मुद्दे पर भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी से बात हुई थी। इसके कुछ

ही दिन में भारत से मदद आ गई है। अनुरा कुमारा दिसानायके ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा कि कुछ दिन पहले मैंने पीएम नरेंद्र मोदी से बात की थी। मेरी उनसे श्रीलंका को मध्य-पूर्व के संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति में आ रही रुकावटों पर चर्चा हुई थी। इसके बाद कल कोलंबो में 38,000 मीट्रिक टन ईंधन पहुंच गया। भारत के त्वरित सहयोग के लिए मैं आभारी हूं। करीबी समन्वय के लिए एस. जयशंकर को भी धन्यवाद देता हूं।

# आर्थिक मोर्चे पर 'युद्ध' का साया

## बढ़ेगी महंगाई

● *देश की इकॉनमी पर पड़ने लगा ईरान युद्ध का असर*
● *ग्रोथ, महंगाई, राजकोषीय संतुलन, सब पर छाएगा संकट*

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** ईरान युद्ध के बीच भारत के लिए आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर नहीं है। इस युद्ध से अब देश की इकॉनमी पर शुरुआती दबाव दिखने लगा है। देश के चीफ इकनॉमिक एडवाइजर वी अनंत नागेश्वरन का कहना है कि ईरान युद्ध का देश के मैक्रोइकनॉमिक इंडिकेटर्स पर व्यापक असर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि ग्रोथ, महंगाई, राजकोषीय संतुलन और बाहरी संतुलन पर

इसका काफी असर देखने को मिल सकता है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार को एक रिपोर्ट में कहा कि देश में निकट भविष्य का परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। बाहरी झटके विशेष रूप से पश्चिम एशिया संकट आर्थिक मोर्चे पर भारत को कमजोर कर रहा है।

### सक्रिय नीतिगत कदम उठाना आवश्यक होगा

ऐसे हालात में, लगातार सतर्कता बनाए रखना और सक्रिय नीतिगत कदम उठाना आवश्यक होगा ताकि बदलती वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव को कम किया जा सके। हाल में तेल की कीमतों में उछाल मध्यम अवधि में महंगाई के लिए जोखिम पैदा करता है, क्योंकि ऊंची ऊर्जा लागत विशेष रूप से ईंधन-निर्भर क्षेत्रों में धीरे-धीरे घरेलू कीमतों में तेजी के रूप में बदलती है। रिपोर्ट में कहा गया कि अगर तेल और गैस की कीमतें बढ़ती रहीं तो संकट पैदा होगा।

### वैश्विक घटनाओं ने बहुस्तरीय जोखिम पैदा कर दिए हैं

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग द्वारा जारी मार्च माह की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार वैश्विक घटनाओं ने भारत के लिए जटिल और बहुस्तरीय जोखिम पैदा कर दिए हैं। इसका कारण देश एक प्रमुख ऊर्जा आयातक होने के साथ-साथ पश्चिम एशिया क्षेत्र के साथ मजबूत व्यापार, निवेश और धन प्रेषण का जुड़ाव है। इसमें कहा गया, हालांकि भारत के अपेक्षाकृत मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद और निरंतर नीतिगत प्रयास मजबूती प्रदान करते हैं, लेकिन बदलती स्थिति के लिए गहन निगरानी और सुविचारित नीतिगत प्रतिक्रियाओं की आवश्यकता है।

# अब अजरबैजान में भारतीय कर रहे जमकर निवेश

● कूटनीतिक मतभेदों के बाद भी आर्थिक रिश्तों में आई मजबूती

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और अजरबैजान के बीच कूटनीतिक मतभेदों के बाद भी आर्थिक रिश्तों में मजबूती आई है। वर्ष 2025 में भारत ने अजरबैजान में अपने निवेश को और बढ़ाया है। अजरबैजान के केंद्रीय बैंक के अनुसार, 2025 में भारत से अजरबैजान में निवेश 56.047 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया। यह 2024 की तुलना में 12.9 मिलियन डॉलर यानी लगभग 29.8 प्रतिशत की वृद्धि है। पिछले एक दशक में अजरबैजान में भारत के कुल निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यूरेशियन डेवलपमेंट बैंक की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, 2016 में जहां भारतीय निवेश 480 मिलियन डॉलर था, वहीं 2025 की

पहली छमाही के अंत तक यह बढ़कर 1.26 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे अज़रबैजान की अर्थव्यवस्था में भारत का कुल निवेश 1.26 अरब डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अजरबैजान ने युद्धग्रस्त ईरान से लगभग 200 भारतीय नागरिकों की स्वदेश वापसी में मदद की। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में अजरबैजान से भारत में प्रत्यक्ष निवेश नहीं दर्ज किया गया है, जो कि द्विपक्षीय पूंजी प्रवाह में असंतुलन दर्शाता है और भारतीय बाजार में अजरबैजानी निवेशकों के लिए अनछुए अवसरों का संकेत देता है। ऊर्जा क्षेत्र, विशेष रूप से तेल और गैस, लॉजिस्टिक्स, फार्मास्युटिकल्स और आईटी सेवाएं आकर्षण बने हुए हैं।

# इंटरनेशनल जाट पार्लियामेंट में पहुंचे पंजाब सीएम मान

● महाराज सूरजमल की प्रतिमा का अनावरण, भगवंत मान बोले- नेताओं ने अपनी मूर्तियां लगाईं शूरवीरों को भूले

**मेरठ (एजेंसी)।** उत्तर प्रदेश के मेरठ में होने वाले इंटरनेशनल जाट पार्लियामेंट में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पहुंचे। रविवार को सकौती के हितकारी इंटर कॉलेज में महाराज सूरजमल की प्रतिमा का अनावरण किया गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा- नेताओं ने जीते जी अपनी मूर्तियां लगा लीं, लेकिन देश की आजादी में अपनी जान गवाने वाले क्रांतिवीरों, शूरवीरों को भुला दिया। जिन्होंने अंग्रेजों की गुलामी को दूर करने के लिए अपनी जान दांव पर लगा दी और उनकी मूर्तियां भूल गए। आजादी के झूठे नेता कुर्सियां लेकर बैठ गए, राजगुरु, सुखदेव भगत सिंह फुल्ला होकर रह गए। फूल ही बनकर रह गए। जाट संसद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनु चौधरी ने कहा- आने वाले एक से दो वर्षों में देश के सभी जाट बहुल गांवों में समाज के महापुरुषों की प्रतिमाएं लगेंगी।

### रेमंड के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का निधन

**मुंबई (एजेंसी)।** रेमंड ग्रुप के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का 87 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके बेटे गौतम सिंघानिया ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार मुंबई के चंदनवाड़ी श्मशान घाट में किया गया। गौतम सिंघानिया ने अपने मैसेज में लिखा है कि उनके पिता एक दूरदर्शी नेता और समाजसेवी इंसान थे, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विजयपत सिंघानिया देश की प्रमुख टेक्सटाइल कंपनी के मालिक थे।

# रेप आरोपी बाबा के खिलाफ लग गया शिकायतों का अंबार

● ज्यादातर महिलाएं हैं शामिल, अब तक 10 एफआईआर दर्ज

**नासिक (एजेंसी)।** महाराष्ट्र के नासिक में गिरफ्तार स्वयंभू 'बाबा' अशोक खरात के खिलाफ दो और मामले दर्ज हुए हैं। पुलिस ने शनिवार को बताया कि जांच कर रही एसटीएफ को पिछले पांच दिनों में फोन पर 100 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। एसटीएफ ने लोगों से जानकारी लेने के लिए दो फोन नंबर जारी किए हैं। खरात के खिलाफ कुल 10 एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। इनमें से 8 मामले यौन शोषण और 2 मामले धोखाधड़ी के हैं। खरात को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। महिला ने आरोप लगाया था कि खरात ने तीन साल तक उसका बार-बार रेप किया। शुक्रवार को एक और महिला की शिकायत पर नया केस दर्ज हुआ। महिला ने पुलिस को बताया वह अपने पति से खराब संबंध और आर्थिक समस्याओं के कारण सलाह लेने खरात के पास गई थी। खरात ने कहा कि समस्या का समाधान चाहिए तो उसकी हर बात माननी होगी। इसके बाद उसने मार्च 2022 से 2024 के बीच उसका यौन शोषण किया। शुक्रवार को दर्ज दूसरा मामला नेवासा के कपड़ा व्यापारी राजेंद्र की शिकायत पर दर्ज किया गया।

# महिलाओं को 24 हजार करोड़ दे रहे 4 चुनावी राज्य

● तमिलनाडु में समर पैकेज और असम में बिहू बोनस की धूम ● बंगाल में ममता ने सबसे बड़ा दांव लगाया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अगले महीने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से चार राज्य ऐसे हैं, जिन्होंने जीत के कथित फॉर्मूले यानी कैश ट्रांसफर पर बड़ा दांव लगाया है। चारों राज्य महिलाओं के बैंक खाते में सीधे 24,500 करोड़ रुपए ट्रांसफर कर रहे हैं। चुनावी वादा भी यही है कि सत्ता में आए तो ऐसे ही 5 साल तक पैसे खातों में जाते रहेंगे। तमिलनाडु की डीएमके सरकार ने 2-2 हजार रु. स्पेशल समर पैकेज के नाम पर महिलाओं के खाते में डाल दिए। असम की भाजपा सरकार ने बिहू मनाने के लिए 4-4 हजार रुपए दे दिए। केरल की वामपंथी सरकार भी स्त्री सुखम नकद योजना ले आई। 10 लाख महिलाओं को हर महीने 1-1 हजार रुपए मिल रहे हैं। बंगाल की तृणमूल सरकार तो फरवरी में लक्ष्मी भंडार स्कीम में 500 रु. बढ़ा चुकी है।

**अब 15 राज्य दे रहे महिलाओं को नगद सहायता-** बीते 5 साल में हुए चुनावों का ट्रेंड देखें तो पता चला है कि महिलाओं को कैश ट्रांसफर देने वाले राज्यों की संख्या एक से बढ़कर 15 हो गई है। ये राज्य 13 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को 2.46 लाख करोड़ रु. तक सालाना नकद पैसा ट्रांसफर कर रहे हैं, जो इन राज्यों के कुल बजट का 0.7 फीसदी है। झारखंड जैसा राज्य अपने ग्रामीण विकास के कुल बजट का 81 फीसदी हिस्सा महिलाओं को कैश ट्रांसफर में दे रहा है।

# पंजाब के मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

● पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मिलकर दबोचा

### 5 साल से गांव शेरवानी कोटे में करते थे मजदूरी

**मलेरकोटला (एजेंसी)।** पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे। इसके साथ ही 5 साल से मजदूरी भी कर रहे थे। इस मामले में बड़ा खुलासा उस समय हुआ जब युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत पकड़े गए

एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ की गई।

जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकियों से मेल खाती पाई गई। मलेरकोटला पुलिस की एक विंग की टीम ने शनिवार को गांव में छापा मारकर दोनों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

फिलहाल इस मामले में पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों मलेरकोटला में पिछले 15 वर्ष से रह रहे थे। दोनों पाकिस्तानी है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

### ट्रंप के लिए वियतनाम बना ईरान

ईरान के साथ अमेरिकी टकराव एक महीने से अधिक समय से जारी है, जिससे वैश्विक आर्थिक संकट गहरा गया है। होर्मुज जलमार्ग बंद होने से तेल, गैस और उर्वरक की कमी हो गई है, जिससे एशिया, यूरोप और अमेरिका में महंगाई बढ़ रही है।

जिस ईरान युद्ध को छेड़ने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोचा होगा कि महज चार दिनों में ही जंग का फैसला हो जाएगा, वह टकराव महीने भर से ज्यादा लंबा खिंच गया है और उस पर जल्द विराम के भी कोई आसार नहीं दिख रहे। इस दौरान अमेरिका के लगभग 40 अरब डालर खर्च हो चुके हैं। रणभूमि पर सैनिक नहीं उतारने की बारंबार दुहाई देने के बावजूद ट्रंप को लगभग सात हजार मरीन और पैराशूट सैनिक भेजने पड़ रहे हैं, लेकिन ईरान न किसी तरह की हार मानने को तैयार है और न सीधी बातचीत को।

अमेरिकी कांग्रेस और संयुक्त राष्ट्र से अनुमति लिए बिना ईरान के परमाणु और मिसाइल खतरे से रक्षा के बहाने छेड़े इस युद्ध ने पूरी दुनिया को गंभीर आर्थिक संकट में झोंक दिया है। ऐसा इसलिए, क्योंकि अपने व्यापक विनाश से तिलमिलाया ईरान अब अपने 454 किलो संवर्धित यूरेनियम को सौंपना और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करना तो दूर, होर्मुज जलमार्ग पर कब्जा करने पर तुल गया है।

ईरान की निगरानी में गुजरे कुछ जहाजों के अलावा यह जलमार्ग पिछले महीने भर से बंद है। इसकी वजह से तेल, गैस, उर्वरक, हीलियम और प्लास्टिक के कच्चे माल की तंगी हो गई है। भारत, चीन, जापान और दक्षिण कोरिया समेत एशिया की सभी अर्थव्यवस्थाओं की निर्भरता खाड़ी पर सर्वाधिक है। इसलिए वहां तो महंगाई और मंदी का खतरा है ही यूरोप और अमेरिका में भी महंगाई पर काबू पाने के लिए ब्याज दरें बढ़ाने की बातें होने लगी हैं। इसे 1970 के दशक में इजरायल-मिस्र-सीरिया युद्ध और इस्लामी क्रांति के तेल संकटों से भी बड़ा ऊर्जा संकट माना जा रहा है।

होर्मुज बंद रहने से उपजे आर्थिक संकट की तपिश एशिया, अफ्रीका और यूरोप के साथ-साथ अमेरिका भी पहुंच चुकी है। अमेरिका में डीजल की कीमतें 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। डीजल और उर्वरक की महंगाई का सीधा असर किसानों की आमदनी पर पड़ रहा है। रोजमर्रा का सामान महंगा होने से ट्रंप के मागा समर्थकों में भी नाराजगी है। युद्ध का विरोध करने वालों का आंकड़ा 61 प्रतिशत से ऊपर चला गया है। ट्रंप का अपना जनसमर्थन इतिहास के न्यूनतम बिंदु पर है।

और विदेशमंत्री रूबियो को समितियों में तलब करने पर अड़े हैं। नवंबर में होने जा रहे संसदीय चुनाव में यदि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी ने कांग्रेस में अपना बहुमत खो दिया तो ट्रंप पर महाभियोग की तलवार भी लटकने लगेगी।

ट्रंप की हठधर्मिता

## धराशाई हुई वैश्विक अमेरिकी प्रभुत्व की धारणा

तनवीर जाफ़री

अमेरिका ही तुम्हारा रक्षक है अन्यथा ईरान जैसा देश मध्य एशिया के खाड़ी देशों को निगल जायेगा। परन्तु गत 28 फ़रवरी से अमेरिका व इजरायल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध के बाद ईरान ने स्वयंभू महाबली अमेरिका को जिस तरह उसकी औक़ात दिखाई है उसने अमेरिका व इजरायल सहित स्वयं को अमेरिकी सैन्य ठिकानों के बल पर सुरक्षित रहने की दशकों से ग़लत धारणा पाले बैठे इस्लामिक देशों को भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। ईरान ने जिन लगभग आठ मुस्लिम देशों पर हमले किए इनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, क़तर, बहरीन, जॉर्डन व इराक़ जैसे देशों के नाम शामिल हैं। इन ईरानी हमलों में असली निशाना खाड़ी देशों में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, न कि इन देशों के सार्वभौमिक इलाक़े। इन हमलों से अमेरिका की रडार, संचार-सिस्टम, थाड एंटी-मिसाइल रडार, हैंगर, रिफ्युलिंग विमान और ढांचा जैसे संवेदनशील टार्गेट पर निशाने साधे जिससे अमेरिकी सैन्य संचालन की क्षमता कहीं घटी तो कहीं बिल्कुल ही समाप्त हो गयी। इन्हीं ईरानी हमलों के बाद अमेरिका को अपना रक्षक समझने वाले खाड़ी के इस्लामिक देशों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि जब अमेरिका खुद अपने सैन्य ठिकानों की हिफ़ाज़त...

**निःसंदेह संयुक्त राज्य अमेरिका विश्व के सर्वशक्तिशाली देशों में अपना सर्वोच्च स्थान रखता है। यही वजह है कि दुनिया के अधिकांश देश सर्वशक्तिमान अमेरिका से अपने मधुर सम्बन्ध बनाये रखना ही बेहतर समझते हैं। अपने प्रभुत्व या दबदबे को क़ायम रखने के लिये अमेरिका भी अन्य देशों के बीच बांटो और राज करो का खेल खेलता आ रहा है। इसी घिनौने खेल के तहत वह दुनिया के लगभग 57 इस्लामिक देशों में शिया सुन्नी मतभेद को हवा देता रहता है। और इसी प्रोपेगेंडा की आड़ में अमेरिका कई इस्लामिक देशों में सामरिक महत्व के अनेक अड्डे संचालित कर रहा है। विदेश संबंध परिषद के अनुसार अमेरिका इस क्षेत्र में कम से कम 19 देशों पर स्थायी और अस्थायी दोनों तरह के सैन्य ठिकानों का एक व्यापक नेटवर्क संचालित करता है। इनमें बहरीन, मिस्र, इराक़, जॉर्डन, कुवैत, क़तर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित आठ स्थाई सैन्य अड्डे भी शामिल हैं। अधिकांश इस्लामिक देशों में सैन्य अड्डे संचालित करने के बदले अमेरिका को वहाँ की सरकारों से भारी धन भी मिलता है। उदाहरण के तौर पर सऊदी अरब जैसा इस्लामिक देश अमेरिका को अपने यहां तैनात अमेरिकी सैनिकों के ख़र्च को आंशिक तौर पर उठाने के बदले में लगभग 500 मिलियन डॉलर देता आ रहा है। अमेरिका और मेज़बान देश आमतौर पर स्टेटस ऑफ़ फ़ोर्सेज़ एग्रीमेंट और अन्य रक्षा समझौतों के तहत तय करते हैं कि कौन कितना ख़र्च उठाएगा।**

इन देशों को भी अमेरिकी संरक्षण, हथियारों की बिक्री, प्रशिक्षण, रक्षा गठबंधन और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ने के रूप में लाभ होता है, जिसके बदले वे अमेरिकी सैनिकों के ख़र्च या उपयोग के लिए कुछ न कुछ भुगतान या संसाधन देते हैं। अमेरिका दशकों से इसी नीति पर चलते हुये अनेक तेल उत्पादक इस्लामिक देशों से अपनी आवश्यकतानुसार तेल लेता है साथ ही इनकी सुरक्षा के नाम पर इन्हें हथियार भी बेचता है। कुल मिलकर इस प्रपंच के पीछे वह इन देशों को यही सन्देश देता आ रहा है कि -अमेरिका ही तुम्हारा रक्षक है अन्यथा ईरान जैसा देश मध्य एशिया के खाड़ी देशों को निगल जायेगा। परन्तु गत 28 फ़रवरी से अमेरिका व इजरायल द्वारा ईरान पर थोपे गये युद्ध के बाद ईरान ने स्वयंभू महाबली अमेरिका को जिस तरह उसकी औक़ात दिखाई है उसने अमेरिका व इजरायल सहित स्वयं को अमेरिकी सैन्य ठिकानों के बल पर सुरक्षित रहने की दशकों से ग़लत धारणा पाले बैठे इस्लामिक देशों को भी बहुत कुछ सोचने पर मजबूर कर दिया है। ईरान ने जिन लगभग आठ मुस्लिम देशों पर हमले किए इनमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, क़तर, बहरीन, जॉर्डन व इराक़ जैसे देशों के नाम शामिल हैं। इन ईरानी हमलों में असली निशाना खाड़ी देशों में फैले अमेरिकी सैन्य ठिकाने थे, न कि इन देशों के सार्वभौमिक इलाक़े। इन हमलों से अमेरिका की रडार, संचार-सिस्टम, थाड एंटी-मिसाइल रडार, हैंगर, रिफ्युलिंग विमान और ढांचा जैसे संवेदनशील टार्गेट पर निशाने साधे जिससे अमेरिकी सैन्य संचालन की क्षमता कहीं घटी तो कहीं बिल्कुल ही समाप्त हो गयी। इन्हीं ईरानी हमलों के बाद अमेरिका को अपना रक्षक समझने वाले खाड़ी के इस्लामिक देशों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि जब अमेरिका खुद अपने सैन्य ठिकानों की हिफ़ाज़त नहीं कर सका तो वह दूसरे देशों की रक्षा कैसे करेगा? इन्हीं हालात ने इस्लामिक देशों को यह सोचने के लिये भी मजबूर किया है कि अमेरिका पर सुरक्षा हेतु निर्भर रहने से बेहतर है इस्लामिक देशों के परस्पर मधुर संबंध बनाना, और साथ ही इनमें से कई इस्लामिक देशों ने अमेरिका व इजरायल द्वारा खड़े किये गये शिया-सुन्नी मतभेद के पीछे की चाल को भी पहचान लिया है। इसीलिये पूर्णतः अमेरिकी अनुकम्पा पर आश्रित रहने वाले चंद पिछलग्गू देशों के सिवा अधिकांश देशों ने अमेरिका से फ़ासला बनाकर रखने का मन बना लिया है। ट्रंप ने इजरायल के दबाव अथवा बहकावे में आकर अपने ज़िद्दीपन के चलते ही ईरान विरोधी सैन्य अभियान में शामिल होने जैसा जो घातक फ़ैसला किया है उससे दुनिया के अनेक देश ही ख़िलाफ़ नहीं बल्कि अमेरिका में घरेलू स्तर पर भी काफ़ी विरोध के स्वर बुलंद हुये हैं। गत दिनों किये गये अनेक सर्वेक्षणों में लगभग 50 से 60 प्रतिशत तक अमेरिकियों ने ईरान के

ख़िलाफ़ जारी सैन्य हमलों का विरोध किया है या ट्रंप के इस निर्णय से अपनी असहमति जताई है। कई सर्वेक्षणों में तो इन्हें अत्यधिक हस्तक्षेप या अनावश्यक युद्ध तक की संज्ञा भी दी गयी है। डेमोक्रेट पार्टी के विशेष जनसमूह और कई उदारवादी व प्रगतिशील संगठनों ने ट्रंप की ऐसी नीतियों के ख़िलाफ़ प्रदर्शन किये ऑनलाइन अभियान चलाये और कांग्रेस में प्रस्ताव लाकर इसका विरोध भी किया है। कांग्रेस में डेमोक्रेट नेता टिम केन द्वारा रिपब्लिकन रेंड पॉल के साथ एक द्विदलीय वार पावर रेज़ोल्यूशन भी लाया गया जिसका उद्देश्य ट्रंप को ईरान के ख़िलाफ़ हथियारबंद अभियान सीमित करने के लिए बाध्य करना था। हालांकि यह प्रस्ताव खारिज ज़रूर हो गया, परन्तु इसके द्वारा अमेरिका में ही ट्रंप की नीतियों का औपचारिक विरोध ज़रूर उजागर हुआ। कई प्रमुख अमेरिकी मीडिया और विदेश नीति विशेषज्ञों ने ईरान में युद्ध को ग़लत अमेरिकी रणनीति बताया और इसे इजरायल के दबाव में घसीटा गया युद्ध और अमेरिकी संसाधनों के व्यर्थ बर्बादी के रूप में वर्णित किया गया है । ट्रंप की नीतियों का यह विरोध इस स्तर तक पहुँच गया कि अमेरिकी राष्ट्रीय आतंकवाद-विरोधी केंद्र के निदेशक जोसेफ़ केंट ने ईरान के साथ जारी युद्ध के विरोध में अपने पद से इस्तीफ़ा तक दे दिया। अपने इस्तीफ़े के पत्र में जोसेफ़ केंट ने स्पष्ट लिखा कि ईरान से अमेरिका को कोई तत्काल ख़तरा नहीं था और यह युद्ध इजरायल और उसकी अमेरिकी लॉबी के दबाव में शुरू किया गया है, इसलिए वे इसका समर्थन नहीं कर सकते। ट्रंप प्रशासन के भीतर कुछ राष्ट्रीय सुरक्षा और खुफ़िया विभाग के अधिकारियों में भी ईरान युद्ध के विरुद्ध असंतोष और मौन विरोध है।

रामनवमी पर विशेष

मुनीष भाटिया

## आध्यात्मिक चेतना और दर्शन के शाश्वत प्रतीक हैं श्रीराम

मानव जीवन एक सतत यात्रा है-सत्य, प्रेम और आत्मबोध की यात्रा। इस यात्रा में राम एक मार्गदर्शक प्रकाश की तरह हमारे साथ रहते हैं। वे केवल इतिहास या ग्रंथों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के अंतर्मन में बसने वाली वह चेतना है, जो हमें सही और गलत का भेद सिखाती है। उनका नाम केवल धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने की अनुभूति है। आज का समाज अनेक विभाजनों में बंट चुका है-जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर। इन विभाजनों ने मानवता की मूल भावना को कमजोर कर दिया है। लेकिन राम का जीवन हमें यह सिखाता है कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि सच्चा धर्म वही है, जो सबको साथ लेकर चले। शबरी के प्रेम से सिक्त बेर स्वीकार करना, निषादराज को आत्मीय मित्र बनाना और हनुमान जैसे भक्त को हृदय से लगाना-ये सभी प्रसंग यह दर्शाते हैं कि राम के लिए कोई भी ऊंच-नीच या भेदभाव नहीं था। वे समरसता और समानता के सच्चे प्रतीक हैं। राम को "मर्यादा पुरुषोत्तम" इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने जीवन के हर संबंध और हर भूमिका में मर्यादा का पालन किया। चाहे वह पुत्र के रूप में पिता के वचन का पालन हो, राजा के रूप में प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व, या एक मित्र के रूप में निष्ठा-हर स्थान पर उन्होंने आदर्श स्थापित किए। आज जब व्यक्ति अपनी इच्छाओं और स्वार्थों के कारण मर्यादाओं का उल्लंघन कर रहा है, तब राम का जीवन हमें अनुशासन और संयम का महत्व याद दिलाता है। उन्होंने चौदह वर्षों का वनवास सहर्ष स्वीकार कर यह सिद्ध किया कि कर्तव्य और वचन की मर्यादा सर्वोपरि होती है। राम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मनुष्य अपने कर्मों और आचरण से ही महान बनता है। वे हमें यह समझाते हैं कि "पुरुष" से "पुरुषोत्तम" बनने की यात्रा बाहरी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धता, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता से तय होती है। जब व्यक्ति लोभ, मोह, अहंकार और वासना जैसे बंधनों से मुक्त होकर निष्काम भाव से कर्म करता है, तभी वह अपने वास्तविक स्वरूप के निकट पहुंचता है। राम का यह संदेश हमें आत्मोन्नति की ओर प्रेरित करता है। मानव की सबसे बड़ी चुनौती उसकी अनियंत्रित इच्छाएं हैं, जो उसे भ्रम और पतन की ओर ले जाती हैं। इसके विपरीत, रावण का चरित्र यह दर्शाता है कि ज्ञान और शक्ति होते हुए भी यदि व्यक्ति अपने अहंकार और वासना पर नियंत्रण नहीं रखता, तो उसका विनाश निश्चित है। इस प्रकार राम और रावण का अंतर केवल बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक मूल्यों का अंतर है। राम का सबसे महत्वपूर्ण संदेश "निष्काम कर्म" का है- ऐसा कर्म, जिसमें फल की अपेक्षा न हो। जब व्यक्ति बिना स्वार्थ के अपना कर्तव्य निभाता है, तो वह न केवल मानसिक शांति प्राप्त करता है, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बनता है। आज का मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में इतना व्यस्त हो गया है कि उसने आंतरिक संतोष और शांति को पीछे छोड़ दिया है। राम का मार्ग हमें सादगी, संतुलन और आत्मिक संतोष की ओर लौटने का आह्वान करता है। सत्य और धर्म राम के जीवन के मूल आधार रहे हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में सत्य का साथ दिया, चाहे वह कितना ही कठिन क्यों न हो। यह हमें सिखाता है कि सच्चाई का मार्ग भले ही चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन अंततः वही स्थायी विजय का मार्ग है। इसी संदर्भ में आज के समय में राम के आदर्शों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के बीच व्यक्ति स्वयं से दूर होता जा रहा है। ऐसे में राम का जीवन हमें आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करता है। वे सिखाते हैं कि बाहरी सफलता के साथ-साथ आंतरिक संतुलन भी आवश्यक है। यदि मन अशांत है, तो कोई भी उपलब्धि हमें संतुष्टि नहीं दे सकती। इसलिए राम का मार्ग केवल नैतिकता का ही नहीं, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन का भी मार्ग है। इसके अतिरिक्त, राम का जीवन नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। उन्होंने राजा के रूप में सदैव प्रजा के हित को सर्वोपरि रखा। आज के नेतृत्वकर्ता यदि राम के इस गुण को अपनाएं, तो समाज में न्याय और विश्वास की स्थापना हो सकती है। राम हमें यह भी सिखाते हैं कि सच्चा नेतृत्व वही है, जो त्याग, सेवा और समर्पण पर आधारित हो, न कि केवल सत्ता और अधिकार पर। अंततः, राम कोई दूरस्थ आदर्श नहीं, बल्कि हमारे भीतर जागृत होने वाली वह चेतना हैं, जो हमें एक बेहतर मनुष्य बनने की प्रेरणा देती है। उनका संदेश सरल है-सत्य का अनुसरण करो, धर्म का पालन करो, और मानवता को सर्वोपरि रखो। यही जीवन का सार है, और यही सच्चे अर्थों में राम को जीना है।

*(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)*

## धैर्य के साथ करें आत्ममूल्यांकन

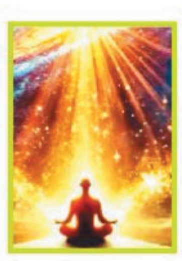

संकलित

दर्शन

प्रकृति हमेशा एक मार्गदर्शक के रूप में हमें प्रेरित व उत्साहित करती रहती है। हर पेड़, पौधे, फूल, पत्ती का एक मौन संदेश हुआ करता है और वह है कि स्वयं को निरंतर गतिमान और संतुलित रखने के लिए धैर्य चाहिए। पेड़ों पर मंजरी या बौर आने के तुरंत बाद ही तो फल नहीं आ जाता। हौले-हौले ही यह प्रक्रिया सम्पन्न होती है। माटी, हवा और पानी से जिस तरह एक पौधा धीरज रखकर खुद को पुष्पित और पल्लवित करता है, हमें भी ऐसा ही जीवन दर्शन अपनाना चाहिए। महर्षि अरविंद अपने पास आने वाले जिज्ञासु को यह मंत्र देते थे कि मनुष्य अपने सारे जीवन का वास्तुकार स्वयं ही है। हम अपनी रुचि और सोच-विचार के हिसाब से दिनचर्या तय करते हैं। अपने तौर तरीके से दिन बिताते हैं। सब सामान्य रहता है, तो हम खुश रहते हैं। लेकिन इस दिनचर्या में कुछ जरा-सा भी कुछ अनचाहा हुआ नहीं कि हम सिर पीटने लगते है। हमारा धैर्य डोल जाता है। हमारी पसंद से बने हुए जीवन की हलचल और हिचकोले हमें विचलित कर देते हैं। हम गलती से भी आत्म अवलोकन नहीं करते।हम अपनी भूमिका न देखकर किसी और पर दोष मढ़ देते हैं। ऐसा प्रदर्शित करते हैं कि इस हालत के लिए उनके अलावा सब ही जिम्मेदार हैं। आरोप लगाने और खुद साफ बच जाने के इस पल में हम चतुराई से यह सच छिपा जाते हैं कि कर्म का नियम कुछ और ही है। कर्म का सिद्धांत यह साफ कहता है कि हमारे हर दुख कष्ट आदि के लिए हम ही जिम्मेदार हैं, कोई दूसरा नहीं।

## श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद करता है

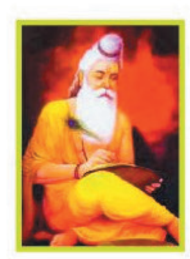

संकलित

प्रेरणा

महर्षि वेदव्यास ने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। उन्होंने उससे पूछा- हे क्षुद्र जंतु, तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? उनके प्रश्न ने कीड़े को चोट पहुंचाई और वह बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं। यहां क्षुद्र कौन है और महान कौन? क्या इस प्रश्न और उसके उत्तर की सही-सही परिभाषा संभव है? कीड़े की बात ने महर्षि को निरुत्तर कर दिया। फिर भी उन्होंने उससे पूछा- अच्छा यह बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहाँ जा रहे हो? कीड़े ने कहा- मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे, पीछे से कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है। कीड़े के उत्तर ने महर्षि को चौंकाया। वे बोले, तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और बेहतर शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि, मैं तो इस कीट योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूँ, परंतु ऐसे प्राणी असंख्य हैं, जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझसे भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। कीड़े की बातों में महर्षि को सत्यता नजर आई। वे सोचने लगे कि वाकई जो मानव जीवन पाकर भी देहासक्ति और अहंकार से बंधा है, जो ज्ञान पाने की क्षमता पाकर भी ज्ञान से विमुख है, वह कीड़े से भी बदतर है। महर्षि ने कीड़े से कहा- नन्हें जीव, चलो हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़ा बोला- किंतु मुनिवर श्रमरहित पराश्रित जीवन विकास के द्वार बंद कर देता है। कीड़े के कथन ने महर्षि को ज्ञान का नया संदेश दिया।

### राम की मूर्ति को अंतिम रूप

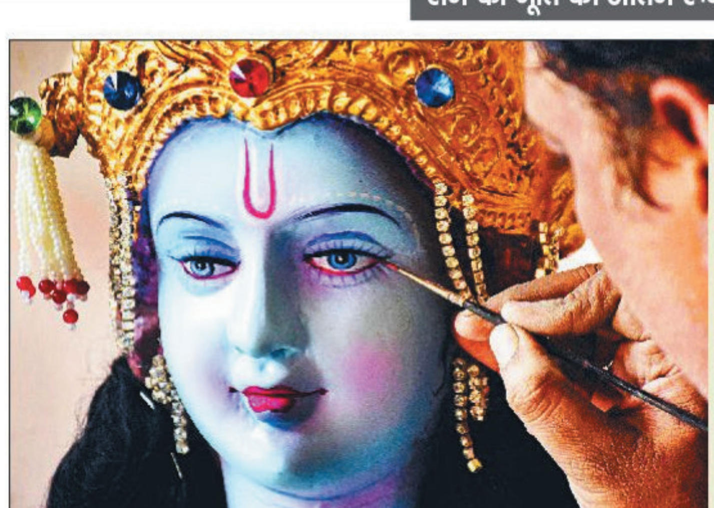

महाराष्ट्र के नागपुर में चल रहे नवरात्रि उत्सव के दौरान राम नवमी से पहले एक कलाकार भगवान राम की मूर्ति को अंतिम रूप दे रहा है।

### आज की पाती

**परमात्मा बेईमानी-चालाकी सब देखते हैं**

दुनिया की नजर से बचकर हम चालाकियां और बेईमानियां कर सकते हैं, लेकिन जो हमारे कर्मों का लेखा-जोखा रख रहा है, उससे हम कुछ नहीं छुपा सकते। हम सब जानते हैं कि भगवान कण-कण में विराजमान हैं, लेकिन फिर भी कुछ लोग इस अटल सच्चाई को नजरअंदाज करते हुए बेईमानी और अन्य गलत कामों को करने से परहेज नहीं करते, बेशक उन्होंने बुरे कर्मों का नतीजा भुगता ही क्यों न हो, लेकिन फिर भी वो दुनिया से नजर बचाकर बेईमानी और चालाकी करने से बाज नहीं आते। परमात्मा हमारी अंतरात्मा पर भी नजर रखता है, वो हमारी सोच, मन, मस्तिष्क में क्या चल रहा है, उसको भी देखता है। परमात्मा की नजर में हमारे कर्म रिकॉर्ड होते हैं।

*- विजय देवांगन, कुम्हारी*

### करंट अफेयर

## ईरान में छिड़ी जंग से ज्यादा परेशान ये मुल्क

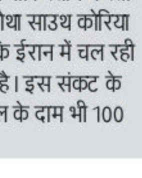

ईरान में अमेरिका और इजरायल की ओर से ताबड़तोड़ हमले हो रहे हैं। ईरान के तेल कुएं हों या फिर गैस फील्ड, सभी को अमेरिका और इजरायल ने टारगेट किया है। वहीं ईरान ने भी संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कतर और बहरीन समेत कई ऐसे देशों पर हमले किए हैं, जहां से बड़ी संख्या में तेल और गैस की सप्लाई दुनिया भर में की जाती है। इस जंग ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी बाधित किया है, जहां से दुनिया का करीब 20 फीसदी तेल कारोबार होता है। इसके चलते भारत समेत कई देशों में तेल और गैस का संकट पैदा हो गया है। इसकी वजह है कि भारत ने अपनी तेल की जरूरतों को डाइवर्सिफाई किया है। वहीं पाकिस्तान, जापान, थाइलैंड और कोरिया जैसे देशों को ज्यादा परेशानी है। एक रिपोर्ट के अनुसार खाड़ी देशों से अपनी जरूरत का सबसे ज्यादा तेल आयात पाकिस्तान करता है। इसके बाद दूसरा नंबर जापान, तीसरा थाईलैंड और चौथा साउथ कोरिया का है। इसके बाद 5वां नंबर भारत का आता है। साफ है कि ईरान में चल रही जंग से भारत के मुकाबले कहीं ज्यादा परेशान पाकिस्तान है। इस संकट के चलते एक तरफ सप्लाई पर असर पड़ा है तो वहीं कच्चे तेल के दाम भी 100 डॉलर के ऊपर लगातार बने हुए हैं।

### ऑफ बीट

## कई ग्लुटेन मुक्त उत्पादों में कैलोरी-शर्करा अधिक

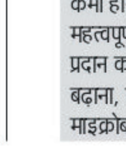

अमेरिकी उपभोक्ता अक्सर ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों के लिए अधिक भुगतान करते हैं, फिर भी ये उत्पाद आमतौर पर ग्लुटेन युक्त विकल्पों की तुलना में कम प्रोटीन और अधिक शर्करा एवं कैलोरी प्रदान करने वाले होते हैं। वर्तमान में कई ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में फाइबर, प्रोटीन और आवश्यक पोषक तत्वों की कमी होती है। इसके अलावा, ग्लुटेन-मुक्त उत्पादों में आमतौर पर ग्लुटेन युक्त अन्य उत्पादों की तुलना में अधिक शर्करा पाई जाती है। ग्लुटेन-मुक्त आहार के लंबे समय तक सेवन का संबंध 'बॉडी मास इंडेक्स' (बीएमआई) में वृद्धि और पोषण संबंधी कमियों से है। ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद को अमेरिका में ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जाता है जिनमें ग्लुटेन प्रति 10 लाख में 20 भाग से कम या उसके बराबर होता है। लेकिन ग्लुटेन-मुक्त उत्पाद में बड़े पैमाने पर गेहूं, राई, जौ और कभी-कभी जई की कमी होती है, जबकि ये सभी 'रबीनॉक्सिलन' के समृद्ध स्रोत हैं जो एक महत्वपूर्ण स्टार्च रहित पॉलीसेकेराइड है। अरबीनॉक्सिलन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, जिसमें लाभकारी आंत बैक्टीरिया को बढ़ावा देना, पाचन को बढ़ाना, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करना और संतुलित आंत माइक्रोबायोटा का समर्थन करना शामिल है।

### ट्रेंड

**शांति और स्थिरता पर चर्चा**

राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान हुआ। भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति जताई।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

**ट्रांसजेंडर विधेयक**

भाजपा सरकार का ट्रांसजेंडर व्यक्ति संशोधन विधेयक ट्रांसजेंडरों के संवैधानिक अधिकारों और पहचान पर खुला हमला है। यह प्रतिगामी विधेयक ट्रांसजेंडर लोगों से उनकी स्वयं की पहचान करने का अधिकार छीन लेता है, जो सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

**आईपीडी टावर की उपेक्षा**

जयपुर के महिला चिकित्सालय (सांगानेरी गेट) में बन रहा आईपीडी टावर भी आज भाजपा सरकार की उपेक्षा का शिकार है। हमारी कांग्रेस सरकार ने फरवरी 2023 में इस प्रोजेक्ट का काम शुरू किया था।

- अशोक गहलोत, पूर्व सीएम, राजस्थान

**बिहार में अपराध**

बिहार में अपराधियों का काम अब पुलिस कर रही है। दारू पीकर दरोगा किसी को भी गोली मार देता है और दरोगा का कुछ नहीं बिगड़ता। ये भ्रष्ट असामाजिक तत्व हमारे लोगों के संयम और अनुशासन को कमजोरी ना समझें।

-तेजस्वी यादव, पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

रॉयल पत्रिका

## मदरसे का सच आया सामने

# बंद कमरे, गायब शिक्षक और ठप पढ़ाई ने खोली बड़ी पोल

*-मदरसा इस्लामिया जबरशाह में शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल*

*-स्कूल परिसर में सन्नाटा, शिक्षक और छात्र नदारद*

**जावेद अख्तर**

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । चार दरवाजा स्थित मदरसा इस्लामिया जबरशाह, हसरत जयपुरी रोड में उस समय चौंकाने वाली स्थिति सामने आई जब रॉयल पत्रिका की टीम दोपहर करीब डेढ़ बजे स्कूल पहुंची। उस समय न तो कोई शिक्षक मौजूद था और न ही कोई छात्र दिखाई दिया। आमतौर पर इस समय तक कक्षाएं चल रही होती हैं, लेकिन पूरा परिसर सुनसान पड़ा मिला, जिससे स्कूल की कार्य-प्रणाली पर सवाल खड़े हो गए।

### धूल जमी टेबलें और बंद कक्षाएं बनी गवाह

स्कूल के कमरों का निरीक्षण करने पर टेबल-कुर्सियां एक तरफ जमा मिलीं, जिन पर काफी धूल जमी हुई थी। इससे साफ अंदाजा लगता है कि यहां लंबे समय से नियमित पढ़ाई नहीं हो रही। ब्लैकबोर्ड पर अंतिम तारीख 23 मार्च 2026 दर्ज मिली, जिसके बाद से कक्षाएं पूरी तरह ठप होने की स्थिति नजर आई।

### वंदे मातरम कार्यक्रम के नाम पर पढ़ाई प्रभावित

मदरसे में 23 मार्च से 30 मार्च तक 'वंदे मातरम' कार्यक्रम आयोजित किए जाने की जानकारी सामने आई। हालांकि, इस दौरान पढ़ाई पूरी तरह बंद रही। शिक्षा के बजाय कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने से छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। यह सवाल उठता है कि क्या इस तरह के आयोजनों के चलते शिक्षा को नजरअंदाज करना उचित है।

### दो कमरों में आठ कक्षाएं, शिक्षा पर सवाल

मदरसे के शिक्षकों के अनुसार छात्रो की संख्या काफी कम हैं और केवल दो टीचर्स के भरोसे कक्षा आठ तक की पढ़ाई कराई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि पूरे स्कूल में सिर्फ दो ही कमरे हैं, जिनमें आठ कक्षाएं संचालित हो रही हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि क्या इस व्यवस्था में बच्चों को सही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सकती है? यह स्थिति सीधे तौर पर अल्पसंख्यक विभाग और सरकार की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

### शादी-विवाह के कार्यक्रमों से बाधित होती शिक्षा

स्कूल भवन का उपयोग सामाजिक कार्यक्रमों, खासकर शादी-विवाह के लिए भी किया जाता है। इन आयोजनों के चलते बच्चों को समय से पहले छुट्टी दे दी जाती है या कक्षाएं पूरी तरह बंद कर दी जाती हैं। इससे बच्चों की पढ़ाई लगातार बाधित हो रही है और स्कूल का मूल उद्देश्य पीछे छूटता नजर आता है।

### स्कूल परिसर में बंदरों से बच्चों की सुरक्षा पर खतरा

स्कूल परिसर में बंदरों का आना-जाना भी एक गंभीर समस्या है। ऐसे में छोटे बच्चों की सुरक्षा पर हमेशा खतरा बना रहता है। सवाल यह है कि जब स्कूल में ही सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था नहीं है, तो बच्चे खुद को कैसे सुरक्षित महसूस करेंगे? यह लापरवाही शिक्षा के साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा पर भी बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

### अन्य मदरसों में भी दिख रही यही स्थिति

जानकारी के अनुसार, अल्पसंख्यक विभाग द्वारा संचालित अन्य मदरसों में भी इसी तरह की अनियमितताएं सामने आ रही हैं। रमजान के दौरान लंबे समय तक छुट्टियां और पढ़ाई में लापरवाही आम बात बनती जा रही है। इससे छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।

### प्रशासन से जवाबदेही और सुधार की मांग

इस पूरे मामले ने अल्पसंख्यक विभाग और संबंधित प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जयपुर ज़िले में मदरसों की मॉनिटरिंग की ज़िम्मेदारी जयपुर अल्पसंख्यक विकास अधिकारी की होती है । लेकिन अल्पसंख्यक विकास अधिकारी कैसी मॉनिटरिंग कर रहे हैं ? जबकि ज़्यादातर रजिस्टर्ड मदरसे मौके पर बंद नज़र आते हैं ?

## जयपुर पर 'वर्ल्ड हेरिटेज' का दर्जा खोने का खतरा

# यूनेस्को ने दी निष्कासन की सख्त चेतावनी

*-ट्रैफिक जाम, ई-रिक्शा की भरमार और ऐतिहासिक ढांचे में छेड़छाड़ बनी बड़ी वजह, हेरिटेज नगर निगम की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल*

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गुलाबी नगरी जयपुर की विश्व प्रसिद्ध पहचान और 'वर्ल्ड हेरिटेज साइट' के दर्जे पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। यूनेस्को (UNESCO) ने राजस्थान की राजधानी को एक बेहद गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि शहर की बिगड़ती व्यवस्थाओं में तुरंत सुधार नहीं हुआ, तो इसे विश्व विरासत की सूची से निष्कासित किया जा सकता है। करीब 6 साल पहले (2019-20) जिस गौरव को हासिल करने के लिए सालों की मेहनत लगी थी, वह अब प्रशासनिक अनदेखी की भेंट चढ़ता नज़र आ रहा है।

### ट्रैफिक और ई-रिक्शा ने बिगाड़ी सूरत

यूनेस्को ने अपनी चिट्ठी में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को सबसे बड़ी चुनौती बताया है। शहर की संकरी गलियों और मुख्य बाजारों में ई-रिक्शाओं की अनियंत्रित संख्या और भारी जाम ने परकोटे की यूनिकनेस (विलक्षणता) को खत्म कर दिया है। छुट्टी के दिनों और त्योहारों के समय हालात इतने बदतर हो जाते हैं कि पैदल चलना भी दूभर हो जाता है।

### मूल ढांचे के साथ छेड़छाड़ और अतिक्रमण

रिपोर्ट के अनुसार, हेरिटेज नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए पुराने जयपुर के मुख्य ढांचे और इमारतों में लगातार बदलाव किए जा रहे हैं। हेरिटेज नगर निगम की बिना अनुमति या मिलीभगत से हो रहे अवैध कंस्ट्रक्शन ने गुलाबी शहर के मूल रंग और वास्तुकला को नुकसान पहुँचाया है। इसके अलावा, कोतवाली पुलिस थाने के बाहर और अन्य महत्वपूर्ण रास्तों पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण ने शहर की सुव्यवस्थित छवि को धूमिल कर दिया है। यहाँ तक कि पुलिस और सरकारी गाड़ियां भी बीच रास्तों में खड़ी होकर जाम का कारण बन रही हैं।

### सफाई व्यवस्था भी 'फेल'

यूनेस्को की चेतावनी में शहर की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए गए हैं। जगह-जगह लगा कचरे का ढेर और अतिक्रमण 'वर्ल्ड हेरिटेज' के मापदंडों के बिल्कुल विपरीत है। स्थानीय प्रशासन और निगम को बार-बार आगाह करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है।

### यूनेस्को की चेतावनी के मुख्य बिंदु:

अत्यधिक ट्रैफिक: ई-रिक्शा और निजी वाहनों का अनियंत्रित संचालन।

ऐतिहासिक स्वरूप में बदलाव: मूल गुलाबी रंग और इमारतों के ढांचे से छेड़छाड़।अवैध पार्किंग: सड़कों और मुख्य चौराहों पर पुलिस व अन्य गाड़ियों का बेतरतीब खड़ा होना।

अतिक्रमण और गंदगी: परकोटे के बाजारों में बढ़ता अतिक्रमण और कचरे का कुप्रबंधन।

### क्या जयपुर के लिए ये शर्मनाक होगा?

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जयपुर वर्ल्ड हेरिटेज साइट की लिस्ट से बाहर होता है, तो यह न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी की बात होगी। इससे न केवल पर्यटन प्रभावित होगा, बल्कि शहर को मिलने वाली विशेष ग्रांट और पहचान भी खत्म हो जाएगी। अब गेंद प्रशासन के पाले में है कि वह इस चेतावनी को कितनी गंभीरता से लेता है।

# 'नाहरी का नाका' बस्ती में गटर के पानी से गुजर रहे नमाजी

*-'स्वच्छ राजस्थान' के दावों की खुली पोल*

*-शास्त्री नगर की बंदा बस्ती में नारकीय हालात; रमजान भर गंदगी में रहे लोग, अब ईद पर भी राहत की उम्मीद नहीं*

**हरि चौधरी**

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार और नगर निगम के अधिकारी भले ही जयपुर को सफाई के मामले में इंदौर से आगे ले जाने के दावे करते हों, लेकिन हकीकत इन दावों से कोसों दूर है। राजधानी के शास्त्री नगर स्थित नाहरी का नाका (बंदा बस्ती) में नगर निगम की लापरवाही ने आम जनजीवन को नारकीय बना दिया है। यहां की सड़कों पर बहता गटर का गंदा पानी और कचरे के ढेर 'स्वच्छ भारत मिशन' का मखौल उड़ा रहे हैं।

### रमजान भर गंदगी का पहरा, ईद की पूर्व संध्या पर भी बेहाल

मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा त्यौहार 'ईद' भी निकल गया है, लेकिन स्थानीय निवासियों के लिए खुशियां गंदगी के साये में दबी हैं। अलविदा जुमे की नमाज के बाद बाहर निकले नमाजियों को गटर के पानी और कीचड़ के बीच से गुजरना पड़ा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पूरा रमजान का महीना इसी गंदगी के बीच बीत गया। क्षेत्रीय निवासी अब्दुल कलाम अंसारी ने बताया कि पार्षद और निगम के जमादार को कई बार गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

### निगम की गाड़ी को पैसे देने को तैयार हैं लोग

रिपोर्ट के दौरान एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। स्थानीय निवासी शायदा ने बताया कि गंदगी से परेशान होकर लोग अपनी जेब से पैसे (करीब रु. 500) इकट्ठा कर निगम के कर्मचारियों को देने को तैयार हैं ताकि सफाई हो सके। उन्होंने आरोप लगाया कि निगम की गाड़ियां आती हैं और औपचारिकता पूरी कर चली जाती हैं, लेकिन चेंबर और नालियों की सफाई नहीं होती।

### पार्षद और अधिकारियों की दलील: 'जनता जागरूक नहीं'

जब इस संबंध में क्षेत्रीय पार्षद (निवर्तमान) से बात की गई, तो उन्होंने सफाई के दावों को सही ठहराते हुए गेंद जनता के पाले में डाल दी। पार्षद का कहना था कि जनता जागरूक नहीं है और कचरा गाड़ी आने के बाद सड़कों पर गंदगी फैलाती है। वहीं, निगम के जमादार सुनील कुमार ने 'तकनीकी खामी' का हवाला देते हुए कहा कि मामला दो वार्डों (वार्ड 19 और 23) की सीमा का है। उन्होंने दावा किया कि आज शाम तक गटर लाइन और चेंबर को दुरुस्त कर दिया जाएगा।

### बदहाली के मुख्य कारण:

गलत ड्रेनेज सिस्टम: 500-600 मकानों का कनेक्शन एक ही लाइन में होने से चेंबर ओवरफ्लो हो रहे हैं।

अधिकारियों की अनदेखी: स्थानीय जमादार और अधिकारियों द्वारा शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई न करना।

सीमा विवाद: दो वार्डों के बीच तालमेल की कमी के कारण सफाई व्यवस्था ठप।

संसाधनों का अभाव: सड़कों से कचरा उठाने और चेंबर साफ करने वाली मशीनों की अनियमितता।

### क्या इंदौर को पीछे छोड़ेगा जयपुर?

जयपुर के सफाई कर्मचारी भले ही मेहनत का दावा करें, लेकिन शास्त्री नगर जैसे इलाकों के हालात देखकर यह सवाल लाजिमी है कि क्या जयपुर कभी इंदौर जैसी स्वच्छता हासिल कर पाएगा? जहाँ त्यौहारों के समय भी नमाजी और राहगीर गंदगी में चलने को मजबूर हैं, वहां 'चमचमाती सड़कों' के दावे केवल कागजी नज़र आते हैं।

# सड़क सुरक्षा पर सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने दिया व्याख्यान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बाल निवास उद्यान, सिविल लाइंस मेट्रो स्टेशन, जयपुर में नवजीवन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोडाला, जयपुर के विद्यार्थियों के लिए वार्षिकोत्सव के मौके पर सड़क सुरक्षा पर विद्यार्थियों के लिए यातायात नियमों की जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संसाधक व मुख्य वक्ता प्रादेशिक परिवहन कार्यालय सेकंड जयपुर में इंस्पेक्टर दिनेश सिंह रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता Road Safety expert इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित स्टाफ को सड़क सुरक्षा नियम, हेलमेट/सीट बेल्ट का महत्व, वाहन गति नियंत्रण, लेन-अनुशासन, मोबाइल का उपयोग न करना, नशे में वाहन न चलाना, वाहन फिटनेस, वाहन मेनटेनेंस, वाहन पंजीयन, BH सीरीज रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस, गुड Samaritan, रोड सिग्नल, मोटर व्हीकल ड्राइविंग रेग्यूलेशन 2017, एवं यातायात नियमों जैसी विषय वस्तु पर सड़क सुरक्षा जागरूकता पर व्याख्यान दिया गया। स्कूल के निदेशक सीताराम सूद एवं प्रिंसिपल जतिन सूद ने सीनियर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह को माला पहनाकर एवं शॉल, साफा व मोमेंटो देकर सम्मानित किया। दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए यातायात नियमों के उल्लंघन से संबंधित चिंताजनक आंकड़ों तथा उनसे होने वाली दुर्घटनाओं और जनहानि के बारे में जानकारी दी। अंत में दिनेश सिंह ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने यातायात नियमों का ईमानदारी से पालन करने और जागरूकता को आगे फैलाने का संकल्प लिया। अंत में इंस्पेक्टर दिनेश सिंह ने सभी उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्कूल स्टाफ को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई। ध्यातव्य है कि इंस्पेक्टर दिनेश सिंह पिछले कई वर्षों से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चला रहे हैं जिसमें वह सैंकड़ों कार्यक्रमों के माध्यम से हजारों लोगों को जागरूक कर चुके हैं।

# टेलीकॉम कर्मचारी प्रगतिशील संघ की राष्ट्रीय बैठक जयपुर में सम्पन्न

जयपुर। टेलीकॉम कर्मचारी प्रगतिशील संघ की ओर से टेलीकॉम पेंशनभोगी प्रगतिशील संगठन केंद्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, एम.आई. रोड, जयपुर पर आयोजित हुई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में खुला सत्र रखा गया जिसमें अनेक हस्तियों ने संगठन एवं स्वयं की समस्याएं रखी। इस अवसर पर स्वागत भाषण एल. राशिद खान, उपाध्यक्ष, एलपीएफ और कार्यकारी अध्यक्ष, टीईपीएलआई ने किया। वहीं सीताराम बैरावा, महासचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राजस्थान/एआईओएस टीपीपीओ ने अतिथियों का स्वागत राजस्थान की परम्परानुसार साफा पहनाकर किया। उद्घाटन भाषण के. नटरासन, अखिल भारतीय अध्यक्ष, एलपीएफ, को.सी. वल्लुवन, अखिल भारतीय कोषाध्यक्ष, एलपीएफ का रहा। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि डॉ. के.एल. जैन, अध्यक्ष, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, अतिथि विक्रम मालवीय, मुख्य महाप्रबंधक, राजस्थान सर्कल, विजयकुमार नेमीवाल, पीजीएम, राजस्थान सर्कल एवं जयपुर जिला अध्यक्ष पूर्व पार्षद ज़ाकिर खान रहे। अतिथि में श्रीमती नुसरत फरीदा, हाजी हारून गयावी एवं ज्योतिषी अजय अग्रवाल रहे। समारोह में पधारे लोगों का धन्यवाद ज्ञापन जे. विजयकुमार, संयुक्त सचिव, एलपीएफ और महासचिव, टीईपीयू ने किया। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों को शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट उनका सम्मान किया गया। इस कार्य के लिए ए. चेल्लापांडियन, महासचिव, टीपीपीओ की सराहना की गई। टेलीकॉम कर्मचारी प्रगतिशील संघ एवं टेलीकॉम पेंशनभोगी प्रगतिशील संगठन की ओर से बैठक में अक्टूबर 2025 से 27 मार्च 2026 की अवधि के लिए टीपीपीओ-सीएचक्यू की गतिविधियों का विवरण सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया ।

# एलपीजी गैस की किल्लत को लेकर ज़िलाधीश को ज्ञापन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जब से अमेरिका इज़राईल ईरान का युद्ध शुरू हुआ है तब से ही जयपुर शहर में एलपीजी गैस से चलने वाले हजारों की संख्या में वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है । शहर के सभी एलपीजी गैस पंपों पर वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लगनी शुरू हो गई हैं। ऑटो चालक एक दिन गैस भरवाता है और दूसरे दिन ऑटो चला पाता है। इसके अलावा एलपीजी गैस पम्प संचालकों ने मनमाने तरीके से रेट लगा रखा है। एक एलपीजी गैस पंप वाला 70 रू.95 पैसे में एक लीटर गैस दे रहा है, और दूसरा एलपीजी गैस पंप वाला 100 रू. में एक लीटर गैस दे रहा है। इन समस्याओं को देखते हुए उमराव कुरैशी (अध्यक्ष, जयपुर गुलाबी नगर ऑटो चालक मजदूर यूनियन), फूलचन्द गुर्जर (अध्यक्ष, हिन्द ऑटो चालक मजदूर यूनियन (इंटक), बाबू भाई (अध्यक्ष, लाल झण्डा ऑटो चालक यूनियन (सीटू), अमर सिंह चौहान (अध्यक्ष, पिंकसिटी ऑटो यूनियन (एचएमएस), कुलदीप सिंह (अध्यक्ष, जयपुर महानगर तिपहिया वाहन चालक यूनियन), मुराद खान बलवान (अध्यक्ष, राजस्थान हैरिटेज ऑटो चालक यूनियन, जयपुर), राम सिंह (महामंत्री, जयपुर ऑटो चालक यूनियन, जयपुर) ने संयुक्त रूप से जयपुर के ज़िलाधीश को ज्ञापन देकर मांग की है कि जयपुर शहर में एल.पी.जी. वाहनों की संख्या को ध्यान में रखते हुए एल.पी.जी. गैस पम्पों की संख्या बढ़ाई जावे एवं जो पम्प बन्द हैं उन्हें पुनः चालू करवाया जावे तथा सभी एल.पी.जी. गैस पम्पों पर एक ही रेट निर्धारित कि जाये । सरकार से मांगों पर अतिशीघ्र समाधान करने कि गुजारिश कि गई है । साथ ही यह भी कहा है कि आपदा की स्थिति को देखते हुए सभी ऑटो चालक सरकार के साथ हैं, परन्तु यदि पम्प संचालकों द्वारा मनमानी की गई तो मजबूरन आन्दोलन की राह पकड़नी पड़ेगी।

# भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 220वीं बैठक संपन्न

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) की भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 220वीं बैठक में शहर के समग्र विकास, सार्वजनिक परिवहन के विस्तार और आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड को नॉन-फेयर रेवेन्यू गतिविधियों हेतु ग्राम मानपुरा (तहसील मौजमाबाद) में 7.45 हेक्टेयर तथा ग्राम भोजपुरा (तहसील फागी) में 10.0529 हेक्टेयर भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया गया। यह निर्णय मेट्रो परियोजना को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगी । इसके अतिरिक्त, शहर में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की दिशा में जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड को 33/11 केवी जीएसएस के निर्माण हेतु ग्राम चकवाड़ा (तहसील फागी) में 1000 वर्गमीटर भूमि आवंटन को भी मंजूरी प्रदान की गई। इन फैसलों से जयपुर में विद्युत अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण और शहरी सुविधाओं के व्यापक विकास को रफ़्तार मिलेगी । बैठक में सचिव निशांत जैन, अतिरिक्त आयुक्त डॉ. प्रिया बलराम, उप आयुक्त दिग्गज चाँगल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

# श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में विद्यार्थियों का प्रेरक शैक्षणिक भ्रमण

जयपुर । टारगेट एजुकेशन इंस्टिट्यूट, हस्तेड़ा के विद्यार्थियों का 30 मार्च 2026 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने हॉर्टिकल्चर विभाग का दौरा किया और प्रोफेसर डॉ. ओ.पी. गढ़वाल से संरक्षित खेती एवं आधुनिक बागवानी तकनीकों की जानकारी प्राप्त की। डॉ. गढ़वाल ने फल और सब्जी की उच्च उत्पादन तकनीक, जैविक खेती, पौधरोपण की सही विधि और आधुनिक सिंचाई प्रणाली के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रयोगात्मक और व्यावहारिक ज्ञान अपनाने के महत्व पर भी जोर दिया, ताकि वे भविष्य में कृषि में नवीन तकनीकों को प्रभावी ढंग से लागू कर सकें। भ्रमण के दौरान एक्सटेंशन थिएटर में संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में सहायक प्रोफेसर डॉ. बी.एस. बधाला ने महाविद्यालय के इतिहास, कृषि शिक्षा और करियर के अवसरों पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को महाविद्यालय में प्रवेश और कृषि शिक्षा से जुड़े अवसरों की जानकारी दी और प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रेरित किया। इसके पश्चात सहायक प्रोफेसर डॉ. संतोष देवी समोता ने विद्यार्थियों को संचार कौशल और भविष्य की सफलता के लिए आवश्यक क्षमताओं पर मार्गदर्शन दिया। सत्र के अंत में विजेता छात्रों का सम्मान भी किया गया। चतुर्थ वर्ष की छात्रा किरण चौधरी एवं ईशिका महर्षि ने महाविद्यालय में अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों को महाविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का भ्रमण कराया गया। इसमें पशुपालन और पोल्ट्री प्रबंधन विभाग शामिल था, जहाँ उन्होंने कड़कनाथ, व्हाइट लेग हॉर्न मुर्गी, सिरोही और तोतापरी बकरी तथा गिर गाय की नस्लों का नज़दीकी अवलोकन किया। साथ ही, फार्म पोंड का निरीक्षण कर जल संरक्षण के महत्व को समझाया गया। इसके उपरांत पादप विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. आर. पी. घासोलिया ने पादप रोग और बीजोपचार के बारे में जानकारी दी। मृदा विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. के. के. शर्मा एवं डॉ. एस. एस. शर्मा ने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण करवाया। इसके अलावा, विश्वनाथ ने विश्वविद्यालय पुस्तकालय का भ्रमण कराया और एम.एस.सी. प्रसार शिक्षा के छात्र मुकेश कुमावत, मोहित रोलन व हेमंत मीना ने महाविद्यालय की सभी इकाइयों का भ्रमण करवाया । इस भ्रमण में संस्थान निदेशक सुरेंद्र खीचड़ के नेतृत्व में शिक्षक—अशोक यादव, सुरेश गरेड़, ओमप्रकाश सेपट, सुरज्ञान कुमावत और सीताराम देवन्दा—सहित 55 से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हुए। यह शैक्षणिक अनुभव विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरक साबित हुआ।

# जयपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी: NEP 2020 के तहत मूल्य आधारित शिक्षा पर हुआ मंथन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शनिवार को रामा कृष्णा शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय रघुनाथपुरा (रातल्या) डिग्गी रोड सांगानेर जयपुर में IQAC के तत्वावधान में "भारतीय ज्ञान परम्परा में मूल्य आधारित शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्था सचिव डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा व प्राचार्य डॉ. प्रतीक्षा शर्मा ने संगोष्ठी का आरम्भ सरस्वती वन्दना व दीप प्रज्वलन के साथ किया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. विनोद शर्मा (आर.बी.एस. कॉलेज आगरा) को आमन्त्रित किया गया तथा संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. मथुरेश्वर पारीक (पूर्व विभागाध्यक्ष व डीन शिक्षा विभाग राज. वि. वि.) ने की। संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ डॉ. सुनीता भार्गव, (प्राचार्य संजय टी. टी. कॉलेज जयपुर) डॉ. मीनू अग्रवाल (पूर्व स.आ. श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय केशवविद्यापीठ जामडोली) डॉ. सतीश मंगल (उप-प्राचार्य श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय केशवविद्यापीठ जागडोली), डॉ. रीटा शर्मा (प्राचार्य श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय केशवविद्यापीठ जामडोली), डॉ. सम्पर्क आचार्य (प्राचार्य राजस्थान शिक्षा महाविद्यालय जयपुर), डॉ. प्रमिला दुबे (पूर्व डीन राज. विश्वविद्यालय जयपुर) एवं डॉ. कमलेश कुमार शर्मा (पूर्व विभागाध्यक्ष राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इन सभी विषय विशेषज्ञों ने "भारतीय ज्ञान परम्परा में मूल्य आधारित शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020" विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिक्षा में नैतिक मूल्यों के समावेश की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। संगोष्ठी में शोधार्थियों ने व अनेक महाविद्यालयों के प्रवक्ताओं ने अपना पंजीकरण करवा कर अपना पत्र वाचन किया। इस एक दिवसीय संगोष्ठी का उद्देमश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान की ऐतिहासिक एवं दार्शनिक समझ प्रदान करना, शिक्षा के माध्यम से आत्मज्ञान, आत्मानुशासन और जीवन दर्शन का संज्ञान कराना एवं शिक्षा के माध्यम से आत्मज्ञान, आत्मानुशासन और जीवन दर्शन का संज्ञान कराना था। अतः में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ प्रतीक्षा शर्मा ने संगोष्ठी में आये मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञों व शोधार्थियो को धन्यवाद ज्ञापित किया। यह संगोष्ठी ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अत्यंत सफल रही।

# भवानीमंडी स्टार हॉस्पिटल में इलाज के नाम पर लापरवाही व लूटपाट के आरोप

## -मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच कमेटी गठित की

**फिरोज खांन वारसी**

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ जिले के भवानीमंडी के समीप मालीपुरा निवासी रुकसाना बी ने गत दिनों अपनी पुत्री नौशीन बी पत्नी तौकीर के प्रसव के दौरान कथित लापरवाही के मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और जिला कलेक्टर को गंभीर शिकायत की थी इसके बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मामले में एक्शन लेते हुए तत्काल ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को लेकर एक कमेटी गठित की है जो आगामी दिनों में हॉस्पिटल से मिलने वाली शिकायतों की गंभीरता से जांच करेगी परिजनों ने जिला संवाददाता फिरोज खान वारसी को बताया कि 17 मार्च 2026 की शाम लगभग 7 बजे नौशीन बी को भवानी मंडी के स्टार हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इस मोंके पर प्रसव के दौरान गायनिक विशेषज्ञ डॉ. आरती पाटीदार ने स्वयं मरीज की देखरेख नहीं की और उसकी जगह गैर-विशेषज्ञ डॉक्टर डॉ. रंजना पटवारे ने मरीज की निगरानी की। उन्होंने अस्पताल पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया उन्होंने बताया कि अस्पताल में रातभर मॉनिटरिंग और विशेषज्ञ देखरेख न होने के कारण मरीज की स्थिति गंभीर हो गई। अस्पताल प्रशासन ने अगले दिन अचानक ऑपरेशन का दबाव बनाया गया। स्थिति बिगड़ने पर मरीज को आशुतोष हॉस्पिटल ले जाना पड़ा, जहां केवल एक घंटे में सुरक्षित डिलीवरी करवाई गई। प्रसूता ने बालिका को जन्म दिया जिन्हें ऐहतियात के तौर नवजीवन हॉस्पिटल भर्ती कराया गया है। वहीं परिजनों ने बताया कि उन्होंने इस मामले में महिला आयोग और राज्य स्वास्थ्य मंत्री के पास भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। इधर स्टार हॉस्पिटल के संचालक डॉ. शैलेंद्र पाटीदार ने कहा कि प्रसूता के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हुई। उनका कहना है कि पूरा उपचार डॉ. आरती पाटीदार की देखरेख में किया गया। रुकसाना बी ने अधिकारियों से उच्चस्तरीय जांच, दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और अस्पताल के नियमानुसार सख्त कदम उठाने की मांग की है। इधर पूरे मामले में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.साजिद खान ने बताया कि भवानीमंडी के स्टार हॉस्पिटल द्वारा प्रसूता के इलाज में लापरवाही की शिकायत मिली थी जिसके बाद ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी को लेकर एक टीम गठित की गई है, जो कि आगामी दिनों में पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट भेजेगी।

**सूचना**

**समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।**

# महावीर जयंती के उपलक्ष में दिगंबर जैन समाज ने निकाली शोभायात्रा

**शफीक अली**

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा उपखंड मुख्यालय के मुख्य बाजार स्थित प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर से महावीर जयंती के उपलक्ष में भगवान महावीर की प्राचीन प्रतिमा को रथ में विराजमान कर विशाल शोभायात्रा निकाली गई। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जैन ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी महावीर जयंती के उपलक्ष में प्राचीन दिगंबर जैन मंदिर से विशाल भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली गई शोभा यात्रा महुवा के पुरानी तहसील रोड, गुर्जर मोहल्ला, पंडित मोहल्ला, पाराशर मोहल्ला ,हिंडौन रोड, थाने के सामने सब्जी मंडी, सर्राफा बाजार, गणेश चौक, मुख्य बाजार, होते हुए वापस जैन मंदिर पहुंची। इस दौरान शोभा यात्रा का महुवा के अनेक सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्प वर्षा कर जलपान कराकर स्वागत सत्कार किया गया मंदिर पहुंचने पर विमल जी भुसावर वालों द्वारा झंडारोहण किया गया। इस अवसर पर विमल जैन, शीतल जैन, सुमत जैन, राजेंद्र जैन, विजय जैन, गुड् जैन, पवन जैन, जिनेंद्र जैन, भगवान सहाय जैन, संजय जैन, बाबूलाल जैन, महेंद्र जैन, बंटी जैन, महिला अध्यक्ष शशि जैन सहित जैन समाज सहित समाज के गणमान्य नागरिक माता बहने मौजूद रहे।

# सीएलजी की बैठक संपन्न हुई

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। बनेड़ा थाना परिसर में आगामी महावीर जयंती एवं हनुमान जयंती एवं सोशल मीडिया पर पेट्रोल व गैस को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही को लेकर थाना प्रभारी बछराज चौधरी की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में महावीर जयंती एवं हनुमान जयंती को लेकर एवं सोशल मीडिया पर पेट्रोल एवं गैस की कमी को लेकर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही को लेकर चर्चा की गई। बैठक में सीएलजी सदस्यों ने कस्बे की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। चर्चा में बताया गया कि पुलिस थाना के पास खेल मैदान में रोड लाइटें बंद रहने के कारण असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। सीएलजी सदस्यों ने उक्त समस्या उठाई। इसी तरह रेगर मौहल्ला में जलदाय विभाग द्वारा पानी की सप्लाई के दौरान नलों में गंदा पानी आने से बीमारियां फैलने की आशंका बनी रहती है। जलदाय विभाग से पेयजल सप्लाई के दौरान गंदा पानी रोकने की की मांग की है। थाना प्रभारी बछराज चौधरी ने दुपहिया वाहन चलाने वाले लोगों को हेलमेट लगाना जरूरी है। दुर्घटना के दौरान सिर में चोट लगने से मृत्यु अत्यधिक हो रही है अतः हेलमेट लगाने से अपने खुद का बचाव रहता है। सीएलजी सदस्यों ने रोडवेज बसें से एवं प्राइवेट बसें कस्बे में नहीं आने का मुद्दा उठाया है। बसें बाईपास से निकल जाती है। जिससे यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। बसें गांव में होकर निकलने की मांग की है। बैठक में नियाज मौहम्मद सिलावट, गोवर्धन सिंह, राजू सेन, इकबाल मौहम्मद शाह, उदयलाल तगाया, कमलेश कुमार भंडारी, अनिल कुमार धावा, इमरान अंसारी, लादू लाल रेगर, रामपाल रेगर, दिनेश सोनी, पुलिस थाना स्टाफ सहित कई जने उपस्थित थे।

# महावीर जयंती पर निकलेगी भव्य शोभा यात्रा, महाप्रसादी का होगा आयोजन

**मोहम्मद यासीन**

पाली (रॉयल पत्रिका)। महावीर जयंती महोत्सव पर मंगलवार सुबह साढ़े 7 बजे शहर के श्री संघ सभा भवन बागर मोहल्ला से गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा रवाना होगी। यह शोभा यात्रा गोल निम्बड़ा, गजानंद मार्ग, सर्राफा बाजार, घी का झंडा, धानमंडी, आचार्य श्री रघुनाथ स्मृति जैन भवन, रूई कटला, पुरानी सब्जी मंडी, पुराना बस स्टैंड होते हुए अणुव्रत नगर पहुंचेगी जहां इसका समापन होगा। शोभायात्रा के समापन के बाद अणुव्रत नगर में महाप्रसादी होगी। इसको लिए अणुव्रत नगर में विशेष सजावट की गई है। वहां 2 बड़े डोम बनाए गए है। इसके साथ ही पूरे पांडाल की आकर्षक सजावट की गई है। एक पांडाल में महिलाओं के तो दूसरे पाडांल में पुरुषों के बैठने की व्यवस्था होगी। भगवान महावीर के 2625वें जन्म इससे पहले सोमवार सुबह कल्याणक महोत्सव के तहत पाली शहर के अणुव्रत नगर में नवकार महामंत्र का जाप किया गया। इसमें एक साथ हजारों समाजबंधुओं ने नवकार महामंत्र का जाप किया। कार्यक्रम के दौरान 108 लक्की ड्रॉ के विजेताओं को भी पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, जैन युवा संगठन के अध्यक्ष कल्पेश लोढ़ा, विनय बम्ब, ललित मालू, विकास बुबकिया, अशोक बाफना, नरेश मेहता, राकेश कुंडलिया सहित बड़ी संख्या में जैन समाजबंधु मौजूद रहे।

# शादी में दूल्हा दुल्हन को दिया नायाब तोहफा

कोटा (रॉयल पत्रिका) हाल ही में कोटा शहर में हुई राईन समाज की शादी में मरहूम मोहम्मद यूसुफ राईन के परिवार वालो ने बेटी दामाद को उमराह का टिकट तोहफे में दिया। समाज के सचिव जोनी राईन ने बताया कि यह एक बेहद यादगार और अनोखा तोहफा हैं जो नए जोड़ो को उमराह की पवित्र यात्रा पर जाने का अवसर देता हैं। ऐसे तोहफे प्यार और अच्छे स्वभाव का प्रतीक होते है जो सही रास्ते की और प्रेरित करते है। आज कल पारंपरिक तोहफे की जगह उमराह जैसे पैकेज काफी लोकप्रिय हो रहे है।

# पूर्व सांसद शंकरलाल शर्मा की तस्वीर पर पुष्पांजलि कर मनाई पुण्यतिथि

**मोहम्मद यासीन**

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिला व शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता सेनानी, पुर्व कांग्रेस सांसद, विधायक, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष शंकरलाल शर्मा की 24 वीं पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस मुख्यालय कांग्रेस भवन में शंकरलाल शर्मा की तस्वीर पर कांग्रेसजनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी पुण्यतिथि मनाई। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष शिशुपालसिंह निम्बाडा, पाली विधायक भीमराज भाटी, शहर ब्लॉक अध्यक्ष हकीम भाई सहित कई वक्ताओ ने शंकरलाल शर्मा की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस दौरान महावीरसिंह सुकरलाई, जब्बरसिंह राजपुरोहित, मदनसिंह जागरवाल, प्रवीण कोठारी, आनन्द सोलंकी, मेहबूब टी, जीवराज बोराणा, प्रकाश सांखला, जोगाराम सोलंकी, सीताराम टांक, ताराचन्द चन्दनानी, जावेद सिरोहा, अशोक कुलदीप, आमीन अली रंगरेज, असगर कुरैशी, मांगुसिंह दुदावत, प्रकाश चौहान, रफीक चौहान, दिनेश दवे, रमेश चावला, फकीर मोहम्मद सिंधी, सज्जन बी राज, अर्जुन सिसोदिया, ओमप्रकाश शर्मा, यसपाल शर्मा, कमरूद्दीन पठान, रमेश चौधरी, इकबाल शेख, लाल मोहम्मद सिंधी, राजू सोलंकी, असगर खत्री, मुलचंद संकलेचा, मांगीलाल सोलंकी, अनील सिंह राजपुरोहित, सुनील रामावत,घीसाराम रांगी, विकास राठौड़, असगर खत्री, हिमांशु जलवानिया, अनवर बा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

# महवा देहात मंडल भाजपा का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत प्रशिक्षण आयोजित

**शफीक अली**

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा विधानसभा क्षेत्र के महवा भाजपा देहात मंडल में आयोजित दो दिवसीय "पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026" के समापन सत्र में सोमवार को दौसा जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी रेलाव, विधायक राजेंद्र मीणा के सानिध्य में समापन हुआ। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीड की हड्डी होते हैं कार्यकर्ताओं के माध्यम से ही भाजपा पार्टी की रीति नीति से आम लोगों को अवगत कराकर उनके कल्याण के संबंध मैं सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं से अवगत कराया जाता है इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने भाजपा से जुड़े समर्पित पदाधिकारियों एवं ऊर्जावान कार्यकर्ताओं से संवाद कर उनके विचार, अनुभव और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा को नजदीक से जानने का अवसर मिलन अपना सौभाग्य बताया इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि आप सभी का जोश, समर्पण और प्रतिबद्धता वास्तव में प्रेरणादायक है। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी रेला ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के विचार हम सभी के लिए सदैव मार्गदर्शक रहेंगे। ऐसे प्रशिक्षण शिविर संगठन को नई ऊर्जा, नई दिशा और नई गति प्रदान करते हैं। इस दौरान जिला अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी रैला, प्रदेश प्रवक्ता रवि पालीवाल, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू लता जाटव, दौसा जिला मंत्री विनीत बंसल, जिला मंत्री श्रीमती मिश्री देवी, पूर्व जिला मंत्री लाखन सिंह गुर्जर, देहात मंडल अध्यक्ष धारा सिंह पीपलखेड़ा सहित अनेक भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# विश्वविख्यात संगीतकार रिकी केज की प्रस्तुतियों ने रचा इतिहास

**मो. मुश्ताक खान कायमखानी**

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्व भारती परिसर में रविवार की शाम को गूंजे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के संगीत के सुमधुर प्रवाह ने जहां शांति, भक्ति, शक्ति और प्रेम को आमजन के बीच प्रवाहमान किया, उससे सभी एक आकर्षण के मोहपाश में बंधे रोमांचित और सम्मोहित से हो गए। श्रोतागण बार-बार संगीत की धुनों और गीतों के बोलों पर खड़े होकर खुशी का इजहार कर रहे थे, वैसे ही मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे थे। यह अभूतपूर्व भव्य संगीत संध्या का आयोजन जैन विश्व भारती के महाप्रज्ञ प्रोग्रेसिव स्कूल के तत्वावधान में विशाल महाश्रमण ग्राउंड में किया गया। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त तीन बार ग्रेमी अवार्ड विजेता पद्मश्री रिकी केज की इस भव्य संगीत संध्या ने लाडनूं को वैश्विक सांस्कृतिक मानचित्र पर नई पहचान दी है। उनका संगीत प्रकृति, शांति और मानवीय मूल्यों का सशक्त संदेश और संगीत प्रकृति, शांति और मानवीय मूल्यों का सशक्त संदेश लेकर आया। आयोजन लाडनूं को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

**स्वरचित संगीत से रिकी केज ने किया मंत्रमुग्ध**

संगीतकार रिकी केज ने अपने संगीत के सफर और अनुभवों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि संगीत केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की शक्ति भी रखता है। कार्यक्रम के दौरान उनके द्वारा रचित संगीत ने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति कराई। इनकी मुख्य प्रस्तुतियों में 'रघुपति राघव राजाराम', 'अयगिरी नन्दिनी', 'केसरिया बालम पधारो म्हारो देस', 'जूगनी', 'दमादम मस्त कलन्दर' आदि रहे, जिन को सुन श्रोतागण झूमने पर मजबूर हो गए। उनके प्रत्येक स्वर, प्रत्येक लय, प्रत्येक धुन ने अध्यात्म और शांति का पैगाम प्रस्तुत किया। रिकी केज के साथ उनकी टीम की श्रद्धा गणेश, कार्तिक मनी, लूनी पार्क, वरिजा श्री, सुधीर यदुवंशी आदि की प्रस्तुतियां भी शानदार रही।

**इन सबका रहा सफलता में योगदान**

पूरे आयोजन को सफल बनाने में नाहर कलर एण्ड कोटिंग प्रा. लिमिटेड, उदयपुर के राज सुराणा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में परिसर संयोजक धरमचंद लूंकड, नवीन बैंगाणी, राजेन्द्र खटेड़ आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर जैन विश्व भारती के अध्यक्ष अमरचंद लूंकड़, मुख्य न्यासी जयन्ती लाल सुराणा, शिक्षा संयोजक गौरव जैन मांडोत ने बधाई दी। कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य भूमिका का निर्वहन करने वाले जैन विश्व भारती के संरक्षक अभय दूगड़ ने रिकी केज व टीम के प्रति आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते है। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को प्रकृति संरक्षण, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक मूल्यों की ओर प्रेरित करना रहा।

**करीब पांच हजार लोगों की रही उपस्थिति**

इस मेगा म्यूजिकल इवेंट में 5000 से अधिक लोगों की उपस्थिति से यह ऐतिहासिक कार्यक्रम सिद्ध हुआ। डॉ. विजयश्री शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉ. महेंद्र खड़गावत, एसपी ऋचा तोमर सहित जिले के समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, जैविभा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ और समस्त स्टाफ के अलावा विभिन्न शिक्षाविदों, सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों और जिले की स्कूलों से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। जैन विश्व भारती के समस्त पदाधिकारीगण, सामाजिक और राजनीतिक संगठनो के पदाधिकारीगण, स्थानीय सभा, संस्थाओं के पदाधिकारीगण आदि की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्या रचना बालानी ने स्वागत किया। विद्यालय परिवार ने सभी आगंतुकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रेडियो मिर्ची की आर.जे राजुल सुराणा ने किया।

# सोशल मीडिया पर पेट्रोल-डीजल व गैस संबंधी वीडियो बनाने पर किया पाबंद बनेड़ा थाना अधिकारी की कार्वाई

**इकबाल शाह**

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशन में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही भ्रामक एवं अफवाहपूर्ण पोस्टों पर सख्त निगरानी रखते हुए कारवाही की गई बनेड़ा थाना अधिकारी बछराज चौधरी ने बताया की पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस से संबंधित भ्रामक अथवा भड़काऊ वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने को लेकर पुलिस ने सख्ती बरती है। बनेड़ा थाना अधिकारी ने ऐसे वीडियो बनाने व साझा करने पर चार जनों को किया पाबंद सोशल मीडिया पर इस प्रकार के वीडियो से आमजन में भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो रही है, जिससे अनावश्यक अफवाहें फैल रही हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना सत्यापित जानकारी के पेट्रोल, डीजल व गैस से जुड़े वीडियो पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में बनेड़ा थाना क्षेत्र के चार युवाओं पर कार्यवाही, बनेड़ा क्षेत्र के,करण, धीरज, अर्पित एवं अर्जुन को पाबंद किया गया है कि वे किसी भी प्रकार के भ्रामक या अफवाह फैलाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड न करें। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे सोशल मीडिया का जिम्मेदारी पूर्वक उपयोग करें तथा किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी साझा करने से बचें।

# टीबी मुक्त भारत अभियान में पाली जिले का बढ़ा मान, राज्य स्तर पर डॉ. उजमा जबीन ने प्राप्त किया सम्मान

## -विश्व क्षय रोग दिवस पर राज्य-स्तरीय सम्मान समारोह एवं कार्यशाला आयोजित

**मोहम्मद यासीन**

पाली (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (NTEP) के अंतर्गत विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर शुक्रवार को जयपुर में राज्य-स्तरीय सम्मान समारोह एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस समारोह में टीबी कार्यक्रम में सराहनीय कार्य करने पर पाली जिले को सम्मानित किया गया। सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल ने बताया कि चिकित्सा विभाग की ओर से जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में वर्ष 2025 के दौरान राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिला एवं राज्य स्तर के अधिकारियों एवं कार्मिकों को सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में पाली जिले को टीबी मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट कार्य के फलस्वरूप यह पुरस्कार मिला। डॉ. मारवाल ने बताया कि कार्यक्रम में टीपीटी में 2 रैंक, डिफ्रेंसिव टीबी केअर में 2 रैंक, निक्षय पोषण योजना में 4 रैंक व एक्सरे जांच करने में 4 रैंक मिली है। कुल 5 तरह की कैटेगरी में 4 सम्मान पाली जिले को मिले है। ये सम्मान पली जिले व चिकित्सा विभाग के लिए गर्व की बात है। जयपुर में यह पुरस्कार पाली जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ.उजमा जबीन ने प्राप्त किया। सीएमएचओ ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य क्षय रोग उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान राज्य के जिला क्षय रोग अधिकारी, जिला प्रजनन

एवं बाल स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए क्षय रोग उन्मूलन के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। साथ ही बाल क्षय रोग परामर्श सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों में क्षय रोग की पहचान, उपचार एवं प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में एसटीडीसी अजमेर एवं आईआरएल के अधिकारी, भारत सरकार एवं डब्ल्यूएचओ के परामर्शदाता, एसएनओ, आरबीएसके के पीडी, एसएनओ, आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा एनटीईपी से जुड़े विकास भागीदारों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के माध्यम से राज्य में क्षय रोग उन्मूलन के लिए समन्वित प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर बल दिया गया। साथ ही सभी जिलों को लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी रणनीतियों के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में आयोजकों द्वारा सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए क्षय रोग मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को समयबद्ध रूप से प्राप्त करने का संकल्प दोहराया गया।

# इंसानियत एकता सेवा समिति की ईद स्नेह मिलन बैठक संपन्न

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित नए बस स्टेण्ड इंदौरी चाय वाला पर देर शाम को इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा ईद मिलन स्नेह बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने की। मुख्य अतिथि मेजर सैयद परवेज शाह थे। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ईद की मुबारकबाद दी। बैठक में अप्रैल महीने के दूसरे सप्ताह से परिंडा लगाओ, पक्षी बचाओ अभियान चलाने, शिक्षा के प्रति जागरूकता लाने, खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम आयोजित करने सहित अन्य कई सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष अध्यापक वसीम अली, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान, अध्यापक इमरान बी खान, अध्यापक आवेश कुरैशी ने अपने विचार व्यक्त किए। समिति अध्यक्ष अकबर खान की तरफ

से अल्पाहार की व्यवस्था की गई। इस दौरान समिति संयोजक नौशाद खान, निदेशक सदस्य बिलाल खान, समाजसेवी हमीद खान रिसालदार, डॉ. अखतर खान, अध्यापक अजीज खान, गुलाम हुसैन गौरी, यूनुस अली भाटी, महबूब खान, जाकिर खान, अबरार खान, रेहान खान, जाहिद खान, इंजमाम खान, मुस्तफा खान, सोयल खान, समीर खान, तंजील खिलजी आदि मौजूद रहे। व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान ने सभी का आभार जताया।

# दिव्यांग जन ने अपनी समस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को अवगत करवाया

## -जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने चैंबर से बाहर आकर सुना दिव्यांग जन को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरू पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी के नेतृत्व में दिव्यांग जनों ने मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन अख्तर खान ने बताया कि पिछले 8 महिनों से दिव्यांग जनों का पालनहार कि राशि बकाया पड़ी है पेंशन 3 महिने से नहीं मिल रही है दिव्यांग जनों के पास रोजगार नहीं है उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाए क्रॉक्लीयर इम्प्लान्ट के बच्चों को बाल सम्बल योजना में शामिल किया जाए ज्ञापन देने

वालों में सफिक कुरैशी मिडिया प्रभारी, जहिर अब्बास, सद्दाम हुसैन, कालू मोहम्मद, प्रमोद शर्मा आदि उपस्थित रहे।

# चूरू रेल्वे स्टेशन पर स्व. तोलाराम जी कोठारी भामाशाह नेम पट्टिका नहीं हटाने बाबत प्रशासन को दिया ज्ञापन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर रेल्वे स्टेशन मुसाफिरखाना स्व. सेठ तोलराम जी कोठारी की चिरस्मृति में उनके लडकों ने बनवाकर रेल्वे को भेट किया। चूरू स्टेशन पर उक्त निर्माण के पश्चात सेठ के नाम की पट्टिका लगी हुई थी जो आज तक मौजूद हैं। वर्तमान में उक्त भवन का नवीनीकरण अमृत योजना में हो रहा है तो हम चूरू वासी की माग है कि उक्त भवन पर सेठ तोलाराम जी कोठारी के नाम की पट्टिका यथावत रखा जावे ताकि भामाशाहों में किसी प्रकार की निराशा भाव उत्पन न हो और भविष्य में भामाशाह उत्कृष्ट कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते रहे और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे। आशा है कि आप चूरूवासियों की भावनाओं हेतु प्रयास करेगें। यह ज्ञापन भाजपा के पूर्व वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष बाबू ईस्माईल पूर्व पार्षद एवं जमरदिन तेली तारानगर, (सचिव) ने भारतीय रेल मंत्री अश्रि्वनी वैष्णव भारत सरकार के नाम से पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ के माध्यम से एवं मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, जयपुर, जिला कलक्टर चूरू, हरलाल सारण विधायक चूरु, के माध्यम से भारतीय रेल मंत्री के नाम दिया।

# कौम मेड़ती सिलवटान विकास समिति शादी सम्मेलन कमेटी के चुनाव 3 अप्रैल को

## -मोहम्मद रफीक बने इलेक्शन कमेटी चैयरमैन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। कौम मेड़ती सिलवटान विकास समिति जोधपुर के शादी सम्मेलन कमेटी चुनाव की हाल ही में मीटिंग रखी गई थी। मीटिंग में 45 मेम्बरो ने इलेक्शन कमेटी के लिए अपना नाम लिखवाया और फिर इन 45 सदस्यों के नाम की पर्ची की लॉटरी हुई। जिसमें 11 सदस्यों के नाम खुले और वे 11 लोग इलेक्शन कमेटी मेम्बर चुने गए। इन्हीं 11 मेम्बरों ने अपनी सहमति से मोहम्मद रफीक को कौम मेड़ती सिलवटान विकास समिति शादी सम्मेलन इलेक्शन कमेटी का चेयरमैन चुना। इलेक्शन कमेटी मेम्बर मोहम्मद साहिल ने बताया कि मेड़ती सिलवटान विकास समिति शादी सम्मेलन के सदर, सेक्रेटरी व खजांची पद के लिए चुनाव 3 अप्रैल को होंगे।

इलेक्शन कमेटी के चुने गये मेम्बर मोहम्मद हरिश, मोहम्मद नासिर, मोहम्मद साहिल, अब्दुल वजीर, मोहम्मद सऊद, मोहम्मद मुजाहिद, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद मुस्तकिम, मोहम्मद आसिफ व मोहम्मद साबिर रहे। 27 मार्च से 29 मार्च तक पाचवीं रोड ईदगाह के बाहर रात 9:30 से 11:30 बजे तक चुनाव के फार्म मिलेंगे। नाम वापस लेने की तारीख 30 मार्च रहेगी। आगामी शुक्रवार 3 अप्रैल दोपहर 3 से शाम 6:30 बजे तक मदरसा फैज मोहम्मदी बारादरी में चुनाव होंगे और उसी दिन देर रात को चुनाव कमेटी चुनाव का परिणाम घोषित करेंगी।

# पीर की जाल में ईद-उल-फितर की नमाज़ अदा कर दिया भाईचारे का संदेश

सांचौर (रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह के आस्ताने पर ईदगाह में नमाज अदा कर हिंदुस्तान में अमन शांति बनी रहे मांगी दुआ। पीर की जाल एक ऐसा स्थान कौमी एकता की प्रतीक दरगाह पीर अब्बनशाह के ईदगाह में सुबह 7 बजे से नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में नमाज़ी ईदगाह पहुंचे। मौलाना साहब ने नमाज अदा करवा कर अमन-शांति बनी रहे ओर आपसी सद्भाव का संदेश दिया। रमजान का महीना पूरा होने पर ईद उल फितर का त्यौहार एकता और इंसानियत का प्यार सिखाता है। देश ओर प्रदेश के लिए आपसी भाई चारा बना रहे ओर आपसी देशों में भी शांति का वातावरण बना रहे दुआ की गई। इस दौरान पुलिस प्रशासन मौजूद रहा। नमाज के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर ईद की मुबारकबाद दी।

# डिस्ट्रीक्ट हाईवे सेफ्टी टॉस्क फोर्स का किया गठन

पाली । राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर के निर्देशानुसार जिला टास्क फोर्स समिति का गठन किया गया। जिला मजिस्ट्रेट एलएन मंत्री ने आदेश जारी कर डिस्ट्रीक्ट हाईवे सेफ्टी टॉस्क फोर्स गठन कर समय समय पर पारित निर्णयों एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनाधिकृत कब्जों की पहचान, रिपोर्टिंग, हटाने एवं हटाने की लागत की वसूली तथा यातायात के विनियमन के लिए जान मानक संचालन प्रक्रिया में प्रदत्त प्रावधानों का अनुसार कार्रवाही के निर्देश दिए। टॉस्क फोर्स में अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग को अध्यक्ष, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पाली, परियोजना निदेशक भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण कार्यान्वयन इकाई जोधपुर, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी, आयुक्त नगर निगम, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिकों को सदस्य बनाया गया तथा अशिषाशी अभियंता रानिवि रा.रा. को सदस्य सचिव मनोनित किया गया है।

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज "परिसर- में वन्दे मातरम्" संगोष्ठी का आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP), चूरू द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज, चूरू "परिसर- में वन्दे मातरम्" अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों में देशभक्ति, जागरूकता और सांस्कृतिक गौरव का वातावरण देखने को मिला। संगोष्ठी का उद्देश्य युवा पीढ़ी को वन्दे मातरम् के महत्व, उसके इतिहास तथा राष्ट्रनिर्माण में उसकी भूमिका से अवगत कराना रहा, ताकि वे अपने देश और उसकी विरासत के प्रति अधिक संवेदनशील बन सकें। कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एम. एम.

पुकार ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "वन्दे मातरम्" केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि आज की युवा तरुणाई को देश के क्रांतिकारियों और महापुरुषों के योगदान के साथ-साथ इतिहास की सही जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अतीत को समझकर उससे प्रेरणा लेने और अपने वर्तमान को सशक्त बनाने का आह्वान किया। साथ ही वक्ताओं ने वन्दे मातरम् के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों के लिए प्रेरणा का प्रमुख स्रोत बना और आजादी की लड़ाई में एक सशक्त स्वर के रूप में उभरा।इस अवसर पर डॉ. रेणु बम्बल ने कहा कि महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर पर इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवा शक्ति को जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान करते हैं। केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य अभिनव सिंह ने बताया कि विद्यार्थी परिषद वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर के परिसरों में जाकर इसके महत्व को विद्यार्थियों तक पहुँचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि परिषद की निरंतर सक्रियता और छात्रों से जुड़ाव के कारण यह संगठन आज विद्यार्थियों की पहली पसंद बनता जा रहा है।कार्यक्रम के अंत में एबीवीपी चूरू के जिला संयोजक एवं राज्य विश्वविद्यालय कार्य प्रदेश संयोजक कुलदीप सिंह जागावत ने उपस्थित सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जिला कार्यालय मंत्री सुरेश शर्मा, नगर मंत्री लोकेश ज्यानी, नगर सह मंत्री गर्व रक्षक, नगर SFS प्रमुख वीरेन्द्र पचार आदि उपस्थित रहे।

# फिट फ्लेक्स स्पोर्ट्स रिहैब सेंटर एंड फिजियोथैरेपी हब का शुभारंभ फीता काट कर राजेंद्र सिंह राठौड़ ने किया

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पंखा रोड स्थित आर्यन हॉस्पिटल के पास फिट फ्लेक्स स्पोर्ट्स रिहैब सेंटर एंड फिजियोथैरेपी हब का शुभारंभ फीता काटकर पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ के मुख्य आतिथिय में किया गया। वशिष्ठ अतिथि चूरू विधायक हरलाल सहारण एवं भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अख्तर खान के सानिध्य में हुआ एवं गणमान्यजनों ने फूल मालाओं से अतिथियों का स्वागत किया। रमजान खान जोईया, रंजना कोठारी, मुबारीक खान, गुलाम नबी खा चायल आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेंद्र सिंह राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा, अख्तर खान ने संबोधन किया और स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में फिजियोथैरेपी सेंटर के संस्थापक -संचालक डॉक्टर शोएब खान (PT) को शुभकामनाएं दीं और केंद्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉक्टर शोएब खान ने कहा हमारे यहां सेंटर पर शारीरिक दर्द से राहत मिलेगी, पीठ, गर्दन, जोड़ो और मांसपेशियों के पुराने दर्द को कम करने के बचाव तेजी से रिकवरी क्रॉनिक स्थितियों में गठिया आदि खेल चोटों के उपचार, फिजियोथेरेपी एवं आधुनिक रिहैब सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आए हुए सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया।

# पीर की जाल मेले में उमड़े जायरीन, जियारत कर मांगी दुआएं

## -कव्वालों ने देर रात्रि तक बांधे रखा समा, बच्चों ने झूलो का लिया आनंद

**मोहम्मद अब्बास**

सांचौर ( रॉयल पत्रिका) । उपखंड मुख्यालय से मात्र 7 किमी दूर स्थित अल मशहूर दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह पीर की जाल के सालाना उर्स मुबारक में सैकड़ो की तादाद में जायरीन दूर - दूर से दरगाह की जियारत करने आ रहे है। दरगाह हज़रत मखदूम पीर दादा अब्बनशाह रहमतुल्लाह अलेह के चाहने वालों की भीड़ हर दिन बढ़ रही है। दरगाह इंतजामिया वक्फ कमेटी द्वारा दरगाह शरीफ को दुल्हन की तरह सजाया गया है, दरगाह के चारों ओर रंग बिरंगी रोशनी से डेकोरेशन कर संवारा गया। दरगाह शरीफ के सालाना उर्स मुबारक में दरगाह

इंतजामिया वक्फ कमेटी की ओर से दोनों टाइम लंगर मुफ्त खाने की व्यवस्था की गई है उर्स मुबारक में हर रोज रात्रि में ईशा नमाज बाद उलमाए किराम के नूरानी बयानात का प्रोग्राम होता है बाद में गुजरात व राजस्थान के मशहूर मारूफ कव्वाल द्वारा कव्वाली का प्रोग्राम होता है। सालाना उर्स मुबारक में बच्चों के लिए आकर्षित झूला,मौत का कुआं,ब्रेक डांसर,मिकी माउस,डबल इंजन रेल,सर्कस,जादूगर,खिलौना,मनिहारी, मिठाइयां सहित कई प्रकार की दुकान लगी है उर्स मुबारक में हजारों की संख्या में पहुंच रहे जायरिनों से दरगाह इंतजामियां कमेटी की ओर से यह अपील की जा रही है शांति बनाए रखें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। मेले में हर धर्म के लोग दरगाह की जियारत के लिए आ रहे हैं दरगाह अस्थाने पर किसी तरीके का कोई भेदभाव नहीं है दरगाह पीर की जाल कौमी एकता की प्रतीक एकमात्र स्थान दरगाह पीर की जाल 10 रोज चलने वाला उर्स सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु जायरीन मेले में मन्नत लेकर पहुंच रहे हैं।

**आवश्यकता**

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

# शाहरुख खान के टाइमलेस चार्म से लेकर ताहा शाह बदुशा के क्लासिक रोमांस तक

प्यार हमेशा से रहा है और रहेगा, ऐसी बातें तो हमने अक्सर सुनी होंगी, लेकिन हिंदी फिल्मों की बात करें तो ऐसे हीरोज़ को याद करना लाज़मी हो जाता है जिन्होंने हमें सबसे पहले प्यार पर यकीन दिलाया। सालों से कई रोमांटिक हीरोज़ ने ऐसे किरदार निभाए हैं, जिन्होंने गहराई से प्यार किया, धैर्य से इंतज़ार किया और दर्शकों को यह महसूस कराया कि प्यार जुनूनी, सच्चा और हमेशा कायम रहने वाला हो सकता है। आइए नज़र डालते हैं कुछ ऐसे ही सितारों पर, जिन्होंने रोमांस को सच में जादुई बना दिया।

**शाहरुख खान – दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे**

जब भी बॉलीवुड में रोमांस की बात होती है, तो शुरुआत लगभग हमेशा शाहरुख खान से होती है। 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में राज के किरदार के जरिए उन्होंने चार्म, शरारत और सच्चे जज़्बात का बेहतरीन मेल पेश किया था। उनका यह मशहूर विचार कि सिमरन के परिवार का दिल जीतकर ही उसे पाना है, प्यार की इज़्ज़त करने वाली सोच को नई पहचान देता है और राज को सबसे पसंदीदा रोमांटिक हीरोज़ में शामिल करता है।

**शाहिद कपूर – जब वी मेट**

'जब वी मेट' में शाहिद कपूर का आदित्य कश्यप एक टूटे हुए दिल वाला बिज़नेसमैन होता है, जो धीरे-धीरे गीत की ज़िंदादिली के जरिए प्यार को फिर से महसूस करना सीखता है। उनका यह बदलाव, खुद को खो चुके इंसान से लेकर प्यार के लिए लड़ने वाले इंसान तक दर्शकों के दिल को छू जाता है।

**ईशान खट्टर – धड़क**

'धड़क' में ईशान खट्टर ने मधु का किरदार निभाया है, जिसमें मासूमियत और जुनून दोनों दिखाई देते हैं। यह फिल्म पहले प्यार की कच्ची भावनाओं को दर्शाती है और यह दिखाती है कि कोई अपने प्यार के लिए समाज की दीवारों के खिलाफ कितनी दूर तक जा सकता है।

**ताहा शाह बदुशा – हीरामंडी : द डायमंड बाज़ार**

'हीरामंडीः द डायमंड बाज़ार' में ताहा शाह बदुशा ने एक क्लासिक रोमांटिक अंदाज़ पेश किया है। विशेष रूप से ताजदार के रूप में उनका किरदार पुराने दौर के प्यार को दर्शाता है, जो जुनूनी, शायरी से भरा और पूरी तरह समर्पित है। उनकी परफॉर्मेंस ने दर्शकों को उस टाइमलेस रोमांस की याद दिलाई, जो अक्सर पीरियड ड्रामाज़ की पहचान हुआ करती है।

**रोहित सराफ – मिसमैच्ड**

जेन-ज़ी के दर्शकों के लिए रोहित सराफ का ऋषि 'मिसमैच्ड' में मॉडर्न रोमांस की पहचान है, थोड़ा ऑक्वर्ड, लेकिन सच्चा और उम्मीदों से भरा हुआ है। विशेष रूप से डेटिंग ऐप्स और अनिश्चितताओं के इस दौर में भी उसका प्यार पर अटूट विश्वास उसे बेहद प्यारा बना देता है।

**सिद्धार्थ मल्होत्रा – शेरशाह**

'शेरशाह' में सिद्धार्थ मल्होत्रा का किरदार कैप्टन विक्रम बत्रा सिर्फ युद्धभूमि की बहादुरी तक सीमित नहीं था, बल्कि इसकी एक गहरी प्रेम कहानी भी थी। डिंपल चीमा के साथ उनका रिश्ता एक शांत, मजबूत और सच्चे प्यार को दर्शाता है, जो फिल्म खत्म होने के बाद भी दर्शकों के दिलों में बस जाती है।

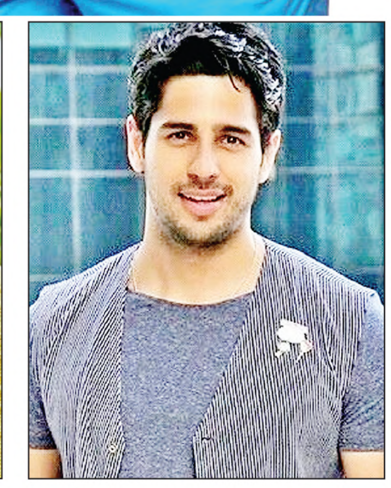

## धुरंधर 2 बनी 6वीं सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म

**वर्ल्डवाइड कलेक्शन रू1226.44 करोड़ हुआ, KGF चैप्टर 2 और जवान को पीछे छोड़ा**

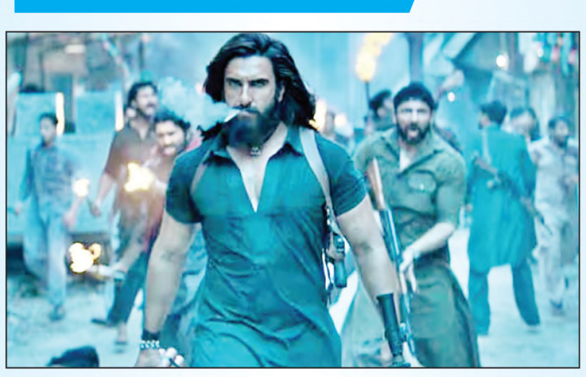

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधरः द रिवेंज) दुनियाभर में 6वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। फिल्म का दुनियाभर में कलेक्शन 1,226.44 करोड़ रुपए पहुंच गया है और इसने चत्नस्न चैप्टर 2 (1,215 करोड़ रुपए) व जवान (1,160 करोड़ रुपए) को पीछे छोड़ दिया है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के दसवें दिन (शनिवार) फिल्म ने भारत में 62.85 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। फिल्म ने दुनियाभर में 1,226.44 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। धुरंधर 2 का भारत में कुल नेट कलेक्शन 778.77 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 930.44 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है। ओवरसीज में फिल्म ने 296.00 करोड़ रुपए कमाए, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रॉस 1,226.44 करोड़ रुपए पहुंच गया। दसवें दिन फिल्म के हिंदी वर्जन ने 58.00 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा कमाई की। वहीं, तेलुगु में 3.00 करोड़ रुपए, तमिल में 1.40 करोड़ रुपए, कन्नड़ में 0.30 करोड़ रुपए और मलयालम में 0.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ। धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा। दिलचस्प बात यह थी कि फिल्म को खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शानदार सफलता मिली।

## डेफ लेपर्ड के गानों पर झूम उठीं बॉलीवुड की 'डिंपल गर्ल' प्रीति जिंटा

अभिनेत्री और पंजाब किंग्स की सह-मालिक प्रीति जिंटा इन दिनों भारत में ही हैं। हाल ही में उन्होंने अपने दोस्तों के साथ रॉक बैंड डेफ लेपर्ड का लाइव कॉन्सर्ट देखा। अभिनेत्री ने इस इवेंट में शामिल होने का श्रेय अभिनेता डिनो मोरे को दिया। प्रीति जिंटा ने अपने इंस्टाग्राम पर कॉन्सर्ट की तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए। इसमें अभिनेत्री के दोस्त और अभिनेता डिनो मोरे भी नजर आ रहे हैं। प्रीति ने लिखा, 'कभी-कभी आखिरी समय पर बने प्लान सच में कमाल के होते हैं। मेरे कॉन्सर्ट पार्टनर डिनो मोरिया को बहुत-बहुत धन्यवाद।' उन्होंने बताया कि उन्हें इस कॉन्सर्ट में बहुत मजा आया। मुंबई की तेज गर्मी भी उनके जोश को कम नहीं कर पाई। पूरा अनुभव शानदार रहा। उन्होंने मजाकिया अंदाज में लिखा, 'सच कहूं तो मुझे सिर्फ चार गाने ही पता थे, लेकिन फिर भी मैं बहुत खुश होकर लौटी क्योंकि बैंड ने ठीक उन्हीं गानों को बजाया जिन्हें मैं जानती थी। 'प्रीति ने आगे लिखा कि ऐसे आखिरी समय के प्लान, सच्चे दोस्त जो हर वक्त साथ दें और एक जोरदार रॉक कॉन्सर्ट। ये सब मिलकर पुरानी यादों को ताजा कर देते हैं। उन्होंने खास तौर पर एक गाने का जिक्र किया। पोस्ट में पीएस लिखते हुए उन्होंने लिखा, ''पोर सम शुगर ऑन मी' वो गाना था जिसे मैं तब बार-बार सुनती थी जब पहली बार मुंबई आई थी। अब लगता है जैसे जिंदगी ने पूरा चक्कर लगाकर फिर उसी जगह आकर खड़ी हो गई हो। 'बता दें कि डेफ लेपर्ड इंग्लैंड के शेफील्ड का एक बेहद प्रसिद्ध ब्रिटिश रॉक बैंड है, जिसका गठन 1977 में हुआ था। यह 1980 के दशक की शुरुआत में हार्ड रॉक और हेवी मेटल के सबसे सफल बैंडों में से एक बना। हिस्टीरिया और पायरोमेनिया जैसे एल्बमों के साथ उन्होंने विश्व स्तर पर धूम मचाई, जिसमें उन्होंने मेटल की ताकत को पॉप धुनों के साथ मिलाया था।1980 के दशक के रॉक संगीत में, इन्हें मोटली क्रू, बॉन जोवी के साथ ग्लैम मेटल के 'बिग फोर' में गिना जाता है।

## अक्षय खन्ना का साउथ फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यूः धुरंधर 2 के बाद 'महाकाली' फिल्म में दिखेंगे

फिल्म 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' के बाद अब अक्षय खन्ना साउथ सिनेमा में दिखाई देंगे। वे निर्देशक प्रशांत वर्मा की फिल्म 'महाकाली' में नजर आएंगे। हाल ही में फिल्म के सेट से अक्षय खन्ना की एक बिहाइंड-द-सीन फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई हैं। इसे खुद निर्देशक प्रशांत वर्मा ने शेयर किया है। फोटो के साथ उन्होंने अक्षय खन्ना के लिए एक खास मैसेज भी लिखा है।'असुर गुरु शुक्राचार्य' के रोल में दिखेंगे अक्षय , फिल्म 'महाकाली' के जरिए अक्षय खन्ना तेलुगू सिनेमा में अपना डेब्यू कर रहे हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा के 'सिनेमैटिक यूनिवर्स' का एक अहम हिस्सा होगी। इससे पहले फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया गया था, जिसमें अक्षय खन्ना 'असुर गुरु शुक्राचार्य' के रहस्यमयी किरदार में नजर आए थे। प्रशांत वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अक्षय खन्ना के साथ फोटो शेयर करते हुए एक्टर की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा, 'एक सच्चे अभिनेता यह साबित करते हैं कि असली टैलेंट को दिखावे की जरूरत नहीं होती। अक्षय की पर्दे पर मौजूदगी, दमदार अभिनय और उनका क्लास हमेशा अलग दिखता है। आपके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।' प्रशांत ने आगे बताया कि वे दुनिया को यह दिखाने के लिए बेताब हैं कि उन्होंने साथ मिलकर क्या बनाया है। उन्होंने पोस्ट में 'महाकाली' और 'जय हनुमान' जैसे हैशटैग्स का भी इस्तेमाल किया। साउथ के साथ-साथ अक्षय खन्ना बॉलीवुड में भी एक बड़े प्रोजेक्ट 'इक्का' का हिस्सा हैं। इस क्राइम ड्रामा फिल्म में वे सनी देओल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। फिल्म के टीजर में सनी देओल एक वकील के किरदार में दिख रहे हैं, जबकि अक्षय खन्ना की एंट्री पुलिस वालों के साथ होती है।

(साभार एजेंसी)

# सीएसके-आरआर मैच में अपनी पूर्व टीमों के खिलाफ खेलेगें सैमसन और जडेजा

**गुवाहाटी (एजेंसी)।** पिछले एक दशक से अधिक राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान रहे संजू सैमसन अब आईपीएल के मैच में सोमवार को उसी टीम के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की जर्सी में नजर आएंगे जबकि चेन्नई टीम का हिस्सा रहे रविंद्र जडेजा अब रॉयल्स के लिये खेलने जा रहे हैं। पिछले दस साल से अधिक समय से सैमसन रॉयल्स टीम के कप्तान और स्टार बल्लेबाज रहे हैं। उनकी कप्तानी में रॉयल्स 2022 में फाइनल तक पहुंची थी। जिस तरह से चेन्नई की पहचान महेंद्र सिंह धोनी हैं, वैसे ही रॉयल्स की पहचान सैमसन बन गए थे लेकिन इस सत्र से पहले हुई अदला बदली में अब जडेजा रॉयल्स के लिए खेलेंगे और भारत की टी20 विश्व कप जीत के नायक रहे सैमसन चेन्नई टीम का हिस्सा होंगे।

सैमसन ने टी20 विश्व कप में वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी तीन मैचों में 50 से अधिक रन बनाकर भारत की खिताबी जीत में सूत्रधार की भूमिका निभाई। वह चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ के साथ पारी की शुरूआत करेंगे और टीम के कोर नेतृत्व का भी हिस्सा होंगे चूंकि धोनी फिटनेस कारणों से कम से कम दो सप्ताह नहीं खेल पाएंगे। धोनी टीम के साथ गुवाहाटी नहीं आए हैं और उनकी गैर मौजूदगी में सैमसन तथा गायकवाड़ पर नजरें रहेंगी।

धोनी की गैर मौजूदगी में 20 साल के बाएं हाथ के स्पिनर हरफनमौला प्रशांत वीर को मौका मिल सकता है जिन्होंने घरेलू टी20 मैचों में प्रभावित किया। उनके अलावा 14 .2 करोड़ रुपए में खरीदे गए कार्तिक शर्मा भी फोकस में होंगे जो घरेलू सर्किट में छक्के लगाने के अपने हुनर के लिए जाने जाते हैं। चेन्नई की बल्लेबाजी मजबूत लग रही है चूंकि डेवाल्ड ब्रेविस अब परिपक्व हो चले हैं जबकि शिवम दुबे मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज बन गए हैं। युवा आयुष म्हात्रे भी तेजी से निखरते जा रहे हैं। गेंदबाजी में नूर अहमद, अकील हुसैन, मैट हेनरी और खलील अहमद जिम्मेदारी संभालेंगे।

रॉयल्स के लिए सैमसन का जाना एक युग का अंक है और रियान पराग की कप्तानी में एक नये दौर की शुरूआत है जो अपने घरेलू मैदान से कप्तानी की शुरूआत करेंगे। जडेजा के आने से टीम का अनुभव और संतुलन बढ़ा है। उनकी बल्लेबाजी का दारोमदार यशस्वी जायसवाल पर रहेगा। उनके साथ युवा वैभव सूर्यवंशी और फॉर्म में चल रहे शिमरोन हेटमायेर हैं।

रॉयल्स के लिए चिंता का सबब उसकी गेंदबाजी है। पिछले सत्र के बाद टीम में कई बदलाव हुए हैं लेकिन जोफ्रा आर्चर की अगुवाई में तेज गेंदबाजों को निरंतरता पर काम करना होगा। स्पिन का जिम्मा जडेजा और रवि बिश्नोई संभालेंगे। पिछले सत्र में चेन्नई आखिरी स्थान पर और रॉयल्स नौवें स्थान पर रही थी।

### टीमें

- **राजस्थान रॉयल्स** – रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायेर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, सैम कुरेन, एडम मिल्ने, बृजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।
- **चेन्नई सुपर किंग्स** – रूतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन, डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे, मैट हेनरी, अकील हुसैन, नूर अहमद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू शॉर्ट, खलील अहमद, जाक फोकेस, अंशुल कम्बोज, नाथन एलिस, सरफराज खान, राहुल चाहर, कार्तिक शर्मा, उर्विल पटेल, अमन खान, रामाकृष्णा घोष, प्रशांत वीर, श्रेयस गोपाल, गुरजपनीत सिंह और मुकेश चौधरी।

**समय** – शाम 7.30 बजे से।

## स्टोक्स मई के बाद कर सकेंगे वापसी, ट्रेनिंग सेशन में हुए घायल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने पुष्टि की है कि गाल की हड्डी में चोट से जुड़ी दिक्कतों के कारण प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी मई तक टल गई है। 34 वर्षीय ऑलराउंडर जिन्हें फरवरी की शुरुआत में डरहम अकादमी के खिलाड़ियों के साथ एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान गेंद लग गई थी, ने एक हफ्ते बाद टूटी हुई गाल की हड्डी को ठीक करवाने के लिए सर्जरी करवाई थी। स्टोक्स ने असल में इस शुक्रवार को केंट के खिलाफ डरहम के काउंटी चैंपियनशिप के शुरुआती मैच में वापसी करने की योजना बनाई थी। हालांकि क्लब अभी भी विशेषज्ञों से अंतिम मेडिकल मंजूरी का इंतजार कर रहा है। डरहम के मुख्य कोच रयान कैंपबेल ने संकेत दिया कि स्टोक्स शायद 8 मई को वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ और फिर 15 मई को बेकेनहम में केंट के खिलाफ होने वाले मैचों तक नहीं खेल पाएंगे। अगर स्टोक्स तब तक वापसी नहीं कर पाते हैं, तो ये मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड के गर्मियों के पहले टेस्ट से पहले उनके लिए एकमात्र रेड-बॉल मैच हो सकते हैं; यह टेस्ट 4 जून से शुरू होगा। कैंपबेल ने इस चोट को एक 'बाल-बाल बचने' वाला मामला बताया। उन्होंने कहा, '(यह घटना) बहुत भयानक हो सकती थी।

## वांगसू ने 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में जीता गोल्ड

**रायपुर, एजेंसी।** अरुणाचल प्रदेश की 21 साल की वेटलिफ्टर अनाई वांगसू को पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' 2026 में हिस्सा लेने से कुछ दिन पहले पेट की पुरानी समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। उन्हें कमजोरी दूर करने और ताकत पाने के लिए आईवी फ्लूइड्स (नसों के जरिए तरल पदार्थ) दिए गए। हालांकि, बीमारी भी उनका हौसला नहीं तोड़ सकी। छत्तसीगढ़ में महिलाओं के 58 किलो वर्ग में अनाई ने गोल्ड मेडल जीता है। अनाई वांगसू 2019 से पेट की समस्या से जूझ रही हैं, जिसमें अचानक कमजोरी, थकान और डिहाइड्रेशन हो जाता है। वेटलिफ्टिंग जैसे खेल में ताकत और संतुलन बहुत जरूरी होते हैं। 'साई मीडिया' से बातचीत में अनाई ने कहा, 'मैंने पहले ब्रॉन्ज और सिल्वर मेडल जीते थे। परिवार के लोग हर बार पूछते थे कि मैं गोल्ड कब जीतूंगी। अब मैं गोल्ड जीतकर खुश हूं और परिवार भी बहुत खुश है।' अनाई ने पहले यूथ नेशनल गेम्स में दो ब्रॉन्ज मेडल और अलग-अलग 'खेलो इंडिया गेम्स' में सिल्वर मेडल जीते थे, लेकिन गोल्ड हमेशा उनसे दूर रहा। पिछले साल राजस्थान में आयोजित 'ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी नेशनल गेम्स' में वे सिर्फ एक लिफ्ट से गोल्ड से चूक गई थीं।

# आईपीएल के शुरुआती मैच में बने कई रिकार्ड

**● आरसीबी का आईपीएल में सबसे तेज 200+ रनचेज ● ईशान के 3000 रन पूरे ● कोहली की एक वेन्यू में सबसे ज्यादा फिफ्टी**

**बेंगलुरु (एजेंसी)।** डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल का सबसे तेज रनचेज करके 19वें सीजन में जीत से शुरुआत की। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को 6 विकेट से हरा दिया। आरसीबी ने 202 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.4 ओवर में हासिल कर लिया। शनिवार को विराट कोहली ने नाबाद 69 रन की पारी खेली। वे एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले बैटर बन गए। हैदराबाद के कप्तान ईशान ने 80 रन बनाए। उन्होंने 3000 आईपीएल रन भी पूरे किए।

**आरसीबी का आईपीएल में सबसे तेज 200+ रनचेज** – आरसीबी ने आईपीएल इतिहास का सबसे तेज 200+ रन चेज पूरा किया। टीम ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 203 रन का लक्ष्य सिर्फ 15.4 ओवर में हासिल किया। दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स (आरआर) हैं। आरआर ने 2025 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 212/2 का लक्ष्य 15.5 ओवर में हासिल किया था।

**कोहली की एक वेन्यू में सबसे ज्यादा हाफ सेंचुरी** – विराट कोहली ने एक ही वेन्यू पर सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में उन्होंने 28 बार पचास रन बनाए हैं।

- **एसआरएच ने आरसीबी के खिलाफ 7वीं बार 200+ रन बनाए** – सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 7वीं बार 200 से ज्यादा रन बनाए। उनसे आगे मुंबई इंडियंस है। टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 बार 200 से ज्यादा रन बनाए हैं।
- **ईशान ने बतौर कप्तान डेब्यू में 80 रन बनाए** – ईशान किशन ने कप्तान के तौर पर अपने पहले ही मैच में 80 रन बनाए। इस पारी के साथ वह आईपीएल में कप्तानी डेब्यू पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर जैसे प्लेयर्स की लिस्ट शामिल हो गए। ईशान तीसरे ऐसे बल्लेबाज बने, जिन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तानी करते हुए डेब्यू मैच में 50 से ज्यादा रन बनाए। उनसे पहले मनीष पांडे और डेविड वॉर्नर ऐसा कर चुके हैं।
- **ईशान के 2180 बॉल पर 3000 आईपीएल रन पूरे** – ईशान किशन ने सिर्फ 2180 गेंदों में 3000 आईपीएल रन पूरे किए। वे सबसे तेज 3 हजार रन बनाने वाले प्लेयर्स में छठे स्थान पर पहुंच गए। टॉप पर ऋषभ पंत हैं, जिन्होंने 2028 बॉल पर यह कारनामा किया था।

## वापस यहां आकर अच्छा लग रहा है, मैं अपना 120 प्रतिशत देना चाहता हूँ: कोहली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को जीत दिलाई। कोहली ने 38 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 69 रन बनाए। कोहली ने इस पारी के बाद कहा कि वह टीम के लिए 120 प्रतिशत देना चाहते हैं और बिना तैयारी के खेलने नहीं उतरते हैं। कोहली अब भारत के लिए सिर्फ वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं और टी20 में वह सिर्फ आईपीएल ही खेल रहे हैं। अपनी पारी को लेकर कोहली ने कहा, वापस यहां आकर अच्छा लग रहा है। आखिरी मैच मैने पिछले साल आईपीएल फाइनल खेला था, लेकिन हाल ही में वनडे सीरीज में जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। मैं वह शॉट्स नहीं खेल रहा था जो आम तौर पर नहीं खेलता। मुझे पता है कि मैं लय में हूं और मैने फिटनेस पर भी काफी मेहनत की है तो प्रदर्शन अच्छा ही रहेगा। हमारे पास अच्छी शुरुआत का मौका था और हमने वही किया।

**ब्रेक से मिला फायदा** – सिर्फ एक ही प्रारूप खेलने के बारे में पूछने पर कोहली ने कहा, पिछले 15 साल से जिस तरह का कार्यक्रम रहा है और हमने जितनी क्रिकेट खेली है, मेरे लिए तैयारी की कमी के बजाय जरूरत से ज्यादा खेलने की थकान का जोखिम अधिक रहा है। इसलिए इन ब्रेक से तरोताजा होकर लौटने में काफी मदद मिली। जब भी मैं खेलने आता हूं तो 120 प्रतिशत देने की कोशिश रहती है। कभी तैयारी के बिना नहीं आता। अतिरिक्त विश्राम से मुझे मानसिक रूप से तरोताजा होने में मदद मिली।

## मेजर लीग क्रिकेट में खेलने वाले पहले पूर्व भारतीय खिलाड़ी होंगे अश्विन

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल को अलविदा कहते समय दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दुनिया के अन्य लीग में खेलने का अपना विकल्प खुला रखा था। वह ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) में चोट की वजह से नहीं खेल सके थे, लेकिन अब वह अमेरिका में खेली जाने वाली मेजर लीग क्रिकेट (एसएलसी) में खेलने वाले पहले भारतीय बनेंगे। रविचंद्रन अश्विन ने मेजर लीग क्रिकेट 2026 के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ करार किया है। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ करार के बाद अश्विन ने कहा, एमएलसी ने हाल के सीजन में खुद को एक बेहतरीन लीग के रूप में स्थापित किया है। लीग में विश्व स्तरीय खिलाड़ी आते हैं। इससे अमेरिका के घरेलू क्रिकेट प्रतिभाओं को पहचान मिलती है। सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स का हिस्सा बनने का मौका ऐसा था जिसे मैं हाथ से जाने नहीं दे सकता था। मेजर लीग क्रिकेट में खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी के तौर पर यह जिम्मेदारी उठाना एक बड़ी बात है, जिसे मैं पूरी तरह से स्वीकार करता हूं। मेरा पूरा ध्यान इस फ्रेंचाइजी को मैच जिताने और उसकी पहली चैंपियनशिप जीतने में मदद करने पर है।सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के मुख्य कोच कैमरन व्हाइट ने कहा, हम अश्विन जैसे खिलाड़ी का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। जब आप मैच जिताने वाले खिलाड़ियों और क्रिकेट की समझ की बात करते हैं तो दुनिया भर में उनका नाम इस सूची में सबसे ऊपर आता है।

## मन की बात में पीएम मोदी ने रणजी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को सराहा

### विश्वकप विजेता भारतीय टीम की सफलता पर गर्व जताया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में खेलों में मिली सफलता का जिक्र किया। उन्होंने टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम करने वाली भारतीय टीम और रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर टीम के बारे में बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में टी20 विश्व कप की विजेता भारतीय टीम की सफलता पर गर्व जताया। वहीं, पहला रणजी ट्रॉफी का खिताब जीतने वाली जम्मू-कश्मीर की टीम को भी सराहा। भारत ने इस महीने की शुरुआत में श्रीलंका को हराकर लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था।

**पीएम बोले- टीम की सफलता से पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ी** – पीएम मोदी ने भारतीय टीम को मिली इस जीत पर 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, मेरे प्यारे देशवासियों देशभर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह महीना जोश और उत्साह से भर देने वाला रहा है। जब भारत ने टी20 विश्व कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज की तो देश में हर तरफ खुशी की लहर दौड़ गई। अपनी टीम की इस शानदार सफलता पर हम सभी को बहुत गर्व है।

**जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक जीत का किया जिक्र** – प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर की ऐतिसाहिक जीत का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, पिछले महीने के आखिर में कर्नाटक के हुबली में एक बहुत ही रोचक मुकाबला देखने को मिला। इस मुकाबले को जीतकर जम्मू-कश्मीर की क्रिकेट टीम ने रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम कर लिया। सबसे खुशी की बात है कि करीब सात दशकों के लंबे इंतजार के बाद इस टीम ने अपना पहला रणजी खिताब हासिल किया। यह अभूतपूर्व सफलता खिलाड़ियों के कई बरसों के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। टीम के कप्तान पारस डोगरा ने अद्भुत कौशल दिखाया। अपने नेतृत्व से इस जीत में उन्होंने अहम योगदान दिया।

**आकिब नबी के प्रदर्शन को सराहा** – पीएम मोदी ने कहा, आज देश में कश्मीर के युवा गेंदबाज आकिब नबी के प्रदर्शन की भी चर्चा हो रही है, जिन्होंने रणजी सीजन में 60 विकेट लिए हैं। इस जीत से टीम के खिलाड़ी और कोचिंग स्टाफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत रोमांचित हैं। क्रिकेट के मैदान में इस शानदार प्रदर्शन के बाद वहां के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और बढ़ गया है। आने वाले समय में यह कई युवाओं को खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने आगे कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों में खेलों को लेकर गजब का जज्बा रहा है। मुझे खुशी है कि अब यह बड़े खेल आयोजनों का हब भी बनता जा रहा है। खेल इंडिया शीतकालीन खेल के लिए गुलमर्ग तो पहले ही अपनी पहचान बना चुका है। फुटबॉल जैसे खेल भी यहां के युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हैं। मुझे आशा है कि आने वाले समय में जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की जीत का यह सिलसिला यूं ही जारी रहेगा।

**स्क्वाश और एथलेटिक्स को लेकर क्या बोले पीएम** – पीएम मोदी ने कहा, स्क्वाश खिलाड़ी बेटी अनाहत सिंह ने स्क्वाश ऑन फायर का बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। सिर्फ 17 साल की उम्र में उन्होंने ये सफलता हासिल की इसके साथ ही वे पीएसए विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उत्तर प्रदेश के प्रतिभाशाली एथलीट गुलवीर सिंह ने कुछ ही हफ्ते पहले न्यूयॉर्क सिटी हॉफ मैराथन में तीसरा स्थान हासिल कर इतिहास रच डाला। वे एक घंटे से कम समय में हॉफ मैराथन को पूरा करने वाले पहले भारतीय एथलीट बने। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे अस्मिता एथलेटिक्स लीग की जानकारी भी मिली है। इसमें आठ मार्च को महिला दिवस के अवसर पर कई खेल इवेंट्स का शानदार आयोजन किया गया। लीग में करीब दो लाख बेटियों ने भागीदारी की।

# अरिना ने जीता मियामी ओपन खिताब

### विश्व के चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को हराया

**मियामी, एजेंसी।** विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी अरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन का खिताब बचा लिया है। सबालेंका ने फाइनल में कोको गॉफ को हराया।अरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के खिताब को अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल मुकाबले में विश्व के चौथे नंबर की खिलाड़ी कोको गॉफ को 6-2, 4-6, 6-3 से हराया। इगा स्वियातेक के बाद सबालेंका 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। यह उनका लगातार दूसरा मियामी ओपन खिताब है। इससे पहले एश्ले बार्टी (2019 और 2021) और सेरेना विलियम्स (2013 से 2015) ही लगातार यह टूर्नामेंट जीत पाई थीं। इस तरह सबालेंका ने दिग्गज खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह बना ली है। सबालेंका एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी में सनशाइन डबल जीतने वाली पांचवीं महिला खिलाड़ी बन गई हैं। सबालेंका से पहले स्टेफी ग्राफ, किम क्लिस्टर्स, विक्टोरिया अजारेंका और इगा स्वियाटेक यह कारनामा कर चुकी हैं। सबालेंका 2000 के बाद से चौथी खिलाड़ी हैं जो साल के अपने पहले चार टूर्नामेंट (मार्टिना हिंगिस, 2001, सेरेना विलियम्स, 2003, और विक्टोरिया अजारेंका, 2012) के फाइनल में पहुंची हैं। ये सभी टूर्नामेंट हार्ड कोर्ट पर हुए हैं। उन्होंने इनमें से तीन जीते, जिसमें ब्रिस्बेन और सनशाइन डबल शामिल हैं। खिताब जीतने के बाद सबालेंका ने कहा, यह खिताब काफी खास है। मेरा लक्ष्य हमेशा इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है और मैंने बस वही किया। यह सुनने में बहुत अजीब लगता है। मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे कर पाई, लेकिन अभी मुझे बहुत गर्व है। बेशक, इस खूबसूरत ट्रॉफी से बहुत खुश हूं।

**नंबर पर स्थिति मजबूत की** – यह जीत उनके करियर का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब और कुल मिलाकर 30वां खिताब है जिसमें छह युगल खिताब भी शामिल हैं। इनमें चार ग्रैंडस्लैम एकल खिताब, दो डबल्स, 11 डब्ल्यूटीए 1000 सिंगल्स टाइटल और दो डबल्स खिताब शामिल हैं। सबालेंका लंबे समय से दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनी हुई हैं और अब उनकी यह स्थिति और मजबूत हो गई है। सबालेंका ने अब तक विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में कुल 83 हफ्ते बिताए हैं। इसमें उनका मौजूदा शानदार दौर भी शामिल है जो लगातार 75 हफ्तों तक पहुंच चुका है। सोमवार को वह लगातार 76वें हफ्ते के लिए नंबर एक बनी रहेंगी। इसके साथ ही वह इगा स्वियातेक के सबसे लंबे नंबर एक रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगी।

# ईरान ने अमेरिका को जमीनी आक्रमण के खिलाफ चेतावनी दी

» दुबई, भाषा।

**ईरान के एक शीर्ष अधिकारी ने अमेरिका को जमीनी आक्रमण के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिकी सैनिकों को आग के हवाले कर दिया जाएगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब महीने भर से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान में क्षेत्रीय विदेश मंत्री एकत्र हुए हैं। ईरान की सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर कलीबाफ ने कहा कि सप्ताहांत में हुई वार्ता केवल एक बहाना थी क्योंकि अमेरिका पश्चिम एशिया में अतिरिक्त सैनिक भेज रहा है। पाकिस्तान ने कहा है कि सऊदी अरब, तुर्किए और मिस्र के विदेश मंत्री पश्चिम एशिया युद्ध को समाप्त करने के मकसद से इस्लामाबाद में अमेरिका या इजराइल की भागीदारी के बिना बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, प्रगति के बहुत कम संकेत मिले क्योंकि इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर हमले जारी रखे जबकि तेहरान ने भी पूरे क्षेत्र में मिसाइलों और ड्रोन से जवाबी हमले जारी रखे। इजराइल ने रविवार को कहा कि ईरान की ओर से कई हमले किए गए।**

वहीं, तेहरान में भी कई जगह विस्फोट की आवाजें सुनी गईं। सप्ताहांत में हुई बातचीत से अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद कम होने को लेकर स्पष्ट संकेत नहीं मिले। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि युद्ध निर्णायक मोड़ पर पहुंच सकता है, लेकिन ईरानी नेता सार्वजनिक रूप से बातचीत को लगातार नकार रहे हैं। अमेरिका के लगभग 2,500 मरीन सैनिक इस क्षेत्र में पहुंच गए हैं और इसके साथ ही यहां पिछले दो दशकों में अमेरिका की सबसे बड़ी सैन्य तैनाती हो गई है। इसके अलावा, 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के कम से कम 1,000 पैराट्रूपर्स को भी पश्चिम एशिया भेजने का आदेश दिया गया है, जो दुश्मन के इलाके में उतरकर अहम ठिकानों और हवाई पट्टियों को सुरक्षित करने में सक्षम हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि अमेरिका जमीनी बल उतारने के साथ ही अपने सभी उद्देश्यों को हासिल कर सकता है। इस बीच, रविवार को ईरान ने क्षेत्र में स्थित इजराइली और अमेरिकी विश्वविद्यालयों को निशाना बनाने की धमकी दी। ऐसा पहली बार है जब ईरान ने शिक्षण संस्थानों को निशाना बनाने की खुले तौर पर धमकी दी है। सरकारी मीडिया ने खबर में बताया कि अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने एक बयान में चेतावनी दी कि यदि ईरानी विश्वविद्यालयों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो क्षेत्र में मौजूद इजराइली विश्वविद्यालयों और अमेरिकी विश्वविद्यालयों के परिसर को सीधे तौर पर निशाना बनाया जाएगा। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा, यदि अमेरिका सरकार चाहती है कि क्षेत्र में उसके विश्वविद्यालय सुरक्षित रहें, तो वह सोमवार 30 मार्च दोपहर 12 बजे तक आधिकारिक बयान जारी कर (ईरानी) विश्वविद्यालयों पर हो रहे हमलों की निंदा करे। इसके साथ ही इसने अमेरिका से यह भी मांग की कि वह इजराइल को ईरानी विश्वविद्यालयों और शोध केंद्रों पर हमले करने से रोके, जिन पर हाल के दिनों में लगातार हमले हुए हैं। यह संघर्ष वैश्विक स्तर पर तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बन गया है। इसके कारण उर्वरकों का संकट पैदा हो गया है और हवाई यात्रा भी प्रभावित हुई है। रणनीतिक महत्व वाले होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान के नियंत्रण ने बाजारों को हिला दिया है। अमेरिका और इजराइल लगातार ईरान पर हमले कर रहे हैं, जबकि जवाबी कार्रवाई में ईरान इजराइल और खाड़ी के पड़ोसी अरब देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बना रहा है। इस संघर्ष में अब तक 3,000 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। अमेरिका का कहना है कि इस युद्ध के दौरान उसने ईरान के 11,000 से अधिक ठिकानों पर हमले किए हैं। तेहरान में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शनिवार देर रात शहर में भीषण हवाई हमले हुए। इस बीच, ईरान ने रविवार तड़के इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। खाड़ी देशों में वायु रक्षा प्रणालियों ने कई मिसाइलों और ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया।

## इरबिल में ड्रोन हमले तेज अमेरिकी ठिकाने निशाने पर

**दुबई।** पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच उत्तरी इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र की राजधानी इरबिल में शनिवार रात भर अमेरिकी वाणिज्य दूतावास एवं अन्य स्थानों को निशाना बनाकर कई ड्रोन हमले किए गए लेकिन उन्हें उनके लक्ष्य पर पहुंचने से पहले की रोक दिया गया। मौके पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस के संवाददाताओं के अनुसार, पूरी रात तेज धमाके सुनाई देते रहे और कम से कम एक ड्रोन को अमेरिकी ठिकानों की ओर बढ़ते देखा गया। इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया समूहों ने हाल के दिनों में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं। इरबिल भी लगातार इन हमलों का निशाना बन रहा है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा संबंधी हालात और अधिक संवेदनशील हो गए हैं। अमेरिका ने शनिवार को जारी एक बयान में ईरान समर्थित सशस्त्र समूहों के हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इन्हें घृणित आतंकी हमले बताया। अमेरिका ने कहा कि इरबिल में कुर्द क्षेत्र के राष्ट्रपति नेचिरवान बरजानी के आवास को भी निशाना बनाया जाना इराक की संप्रभुता, स्थिरता और एकता पर सीधा हमला है। इस हमले में संपत्ति को नुकसान पहुंचा, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। घटना के समय आवास खाली था।

### अमेरिका पर आतंकवाद और आक्रामकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया : किम

# उत्तर कोरिया ने अमेरिकी मुख्यभूमि तक मार करने में सक्षम मिसाइल के इंजन का परीक्षण किया

» सियोल, भाषा।

**उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने उच्च शक्ति वाले ठोस ईंधन इंजन के परीक्षण का अवलोकन किया और इसे देश की सामरिक सैन्य क्षमता को बढ़ाने वाला घटनाक्रम बताया। सरकारी मीडिया ने रविवार को यह जानकारी दी। यह परीक्षण संभवतः इस बात का संकेत है कि किम ऐसी मिसाइलों के जखीरे का विस्तार एवं आधुनिकीकरण करना चाहते हैं जो अमेरिका की मुख्यभूमि तक पहुंचने में सक्षम हो। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) के यह जानकारी देने से कुछ दिन पहले ही, किम जोंग उन ने संसद में अपने भाषण में कहा था कि वह उत्तर कोरिया को स्थाई तरीके से परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थापित करेंगे और सबसे बड़े दुश्मन दक्षिण कोरिया के खिलाफ कड़ा रुख अपनाए रहेंगे।**

किम ने पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का जिक्र करते हुए अमेरिका पर आतंकवाद और आक्रामकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। केसीएनए के अनुसार, किम ने मिश्रित कार्बन फाइबर सामग्री से बनाए गए नए उन्नत इंजन का ग्राउंड जेट परीक्षण (इंजन का जमीन पर किया गया परीक्षण) देखा। एजेंसी ने बताया कि इंजन का अधिकतम थ्रस्ट 2,500 किलोटन है, जो सितंबर में इसी तरह के ठोस ईंधन इंजन के एक परीक्षण में बताए गए लगभग 1,971 किलोटन से अधिक है। पर्यवेक्षकों का कहना है कि इंजन की शक्ति बढ़ाने की यह कोशिश संभवतः एक ही मिसाइल पर कई आयुध लगाने के प्रयासों से जुड़ी है ताकि अमेरिकी रक्षा प्रणाली को भेदने की संभावना बढ़ाई जा सके। केसीएनए की खबर में यह नहीं बताया कि यह परीक्षण कब और कहां हुआ। केसीएनए की खबर में बताया कि यह परीक्षण देश के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम के तहत किया गया। इस योजना के उद्देश्यों में सामरिक हमले के साधनों को उन्नत करना शामिल है। केसीएनए की खबर के अनुसार किम ने कहा कि नवीनतम इंजन परीक्षण का देश की सामरिक सैन्य ताकत को सर्वोच्च स्तर पर पहुंचाने में बहुत महत्व है। हाल के वर्षों में उत्तर कोरिया ने विभिन्न प्रकार की ऐसी अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का परीक्षण किया है जो अमेरिकी मुख्यभूमि तक पहुंचने की उनकी संभावित क्षमता को प्रदर्शित करती हैं। इनमें ठोस प्रणोदक वाली मिसाइलें भी शामिल हैं जिनका प्रक्षेपण से पहले पता लगाना अधिक कठिन होता है।

## मिस्र के राजनयिक नबील फहमी को अरब लीग का नया प्रमुख नियुक्त किया गया

**काहिरा, (भाषा)।** अरब देशों के विदेश मंत्रियों ने रविवार को मिस्र के अनुभवी राजनयिक नबील फहमी को 22 सदस्ईय अरब लीग का प्रमुख नियुक्त किया। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब मध्य पूर्व में ईरान के साथ एक महीने से जारी युद्ध थमने का कोई आसार नहीं दिख रहा। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, मिस्र के पूर्व विदेश मंत्री फहमी को वर्चुअल बैठक में अरब विदेश मंत्रियों का समर्थन प्राप्त हुआ। फहमी का पांच वर्षीय कार्यकाल जुलाई में शुरू होगा। वे अहमद अबुल घीत का स्थान लेंगे, जो 2016 से अरब लीग के प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब ईरान के पड़ोसी अरब देश 28 फरवरी से अमेरिका और इजरायल द्वारा किए गए व्यापक हवाई हमलों के जवाब में ईरान और उसके सहयोगियों द्वारा किए गए हमलों से जूझ रहे हैं। फहमी इस पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे, क्योंकि यह एक लंबे समय से चली आ रही परंपरा है कि अरब लीग के मेजबान के रूप में मिस्र ही 1945 में इसकी स्थापना के बाद से इसके प्रमुख को नामित करता आया है। वर्ष 1979 में केवल एक बार किसी गैर-मिस्रवासी (ट्यूनीशियाई राजनयिक अल-शजली अल-कलीबी) को इस पद पर नियुक्त किया गया था क्योंकि इजराइल के साथ मिस्र की शांति संधि के बाद उसकी सदस्यता निलंबित कर दी गई थी।

## न्यूज ब्रीफ

### अफगानिस्तान के महत्वपूर्ण हवाई अड्डे पर नियंत्रण करने का प्रयास कर सकता है अमेरिका: रूसी राजनयिक

» मॉस्को, भाषा।

**रूस को आशंका है कि ईरान के साथ बढ़ते सैन्य संघर्ष के बीच अमेरिका अफगानिस्तान के एक महत्वपूर्ण हवाई अड्डे पर नियंत्रण करने का प्रयास कर सकता है। रूस के एक वरिष्ठ राजनयिक ने यह जानकारी दी। शनिवार को सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती के साथ एक साक्षात्कार में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अफगानिस्तान मामलों के विशेष दूत जमीर काबुलोव ने कहा कि बगराम हवाई अड्डे पर अमेरिका की मांग नई नहीं है।**

राजधानी काबुल के पास स्थित बगराम हवाई अड्डे का निर्माण 1950 के दशक में तत्कालीन सोवियत संघ द्वारा किया गया था और अफगानिस्तान में अपने हस्तक्षेप के दौरान सोवियत सेनाओं द्वारा, और बाद में अफगान तालिबान के खिलाफ अभियानों में अमेरिकी और नाटो बलों द्वारा इसका व्यापक रूप से उपयोग किया गया था। काबुलोव ने कहा, ट्रंप प्रशासन लगातार अफगानिस्तान में बगराम एयरबेस की वापसी की मांग उठा रहा है, जिसे अमेरिका ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अपनी शर्मनाक वापसी के बाद खो दिया था।

### जर्मनी : एक डांस क्लब में लगी आग, सैकड़ों लोगों ने भागकर बचाई जान

» बर्लिन, भाषा।

**दक्षिण-पश्चिमी जर्मनी में रविवार तड़के एक डांस क्लब में आग लग गई और इस बीच वहां मौजूद सैकड़ों लोगों को अपनी जान बचाने के लिए भागना पड़ा। आपातकाल सेवाओं ने बताया कि यह घटना फ्रांस की सीमा के पास स्थित केहल शहर में हुई और घटना के समय वहां 750 लोग मौजूद थे, हालांकि इनमें से कोई भी घायल नहीं हुआ।**

पुलिस ने बताया कि तीन लोगों को घटना से गहरा सदमा पहुंचा और उनका मौके पर ही इलाज किया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए के अनुसार, दमकल विभाग, पुलिस और आपातकाल चिकित्सा सेवाओं के कम से कम 80 कर्मी घटना स्थल पर मौजूद थे।

### टॉप गन और बैक टू द फ्यूचर के अभिनेता जेम्स टोलकन का निधन

» न्यूयॉर्क, भाषा।

**टॉप गन और बैक टू द फ्यूचर जैसी फिल्मों के अमेरिकी अभिनेता जेम्स टोलकन का निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। टोलकन के बुकिंग एजेंट जॉन अलकांतर ने शनिवार को बताया कि अभिनेता का बृहस्पतिवार को अमेरिका में न्यूयॉर्क के लेक प्लैसिड में निधन हो गया।**

बैक टू द फ्यूचर की वेबसाइट पर प्रकाशित एक संक्षिप्त शोक-संदेश में बताया गया कि टोलकन ने शांति से अंतिम सांस ली लेकिन इस संदेश में मृत्यु के कारण का उल्लेख नहीं किया गया। टोलकन के परिवार में उनकी 54 वर्षीय पत्नी पार्मली वेल्स हैं। वेल्स ने एक बयान में कहा कि उनके पति को कलात्मक वस्तुओं का संग्रह करने का बहुत शौक था और वह पशुओं से बहुत प्रेम करते थे।

### नेपाल में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया

» काठमांडू, भाषा।

**नेपाल के सिंधुपालचौक जिले में शनिवार रात को 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी और अनुसंधान केंद्र ने यह जानकारी दी। भूकंप से किसी प्रकार की क्षति या जानमाल के नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।**

स्थानीय समयानुसार रात करीब 11.35 बजे आए भूकंप का केंद्र सिंधुपालचौक के नुलथला खारका क्षेत्र के पास स्थित था, जो काठमांडू से लगभग 80 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में है। भूकंप के झटके काठमांडू सहित पड़ोसी जिलों में भी महसूस किए गए।

# समीक्षा : क्या डार्क चॉकलेट, मिल्क चॉकलेट से ज्यादा सेहतमंद होती है?

» ब्रिसबेन, भाषा।

**ईस्टर की चॉकलेट सुपरमार्केट की अलमारियों पर हर जगह नजर आ रही है। कुछ लोग सीधे मिल्क चॉकलेट के अंडे खरीदते हैं जबकि अन्य लोग डार्क चॉकलेट को देखकर यह सोचते हैं कि ए ज्यादा सेहतमंद होती हैं, इसलिए उसे चुनने पर विचार करते हैं। डार्क चॉकलेट को बेहतर विकल्प के रूप में पहचान मिली है, क्योंकि इसमें आमतौर पर मिल्क चॉकलेट की तुलना में अधिक कोको और कम चीनी होती है। लेकिन क्या डार्क चॉकलेट वास्तव में सेहतमंद होती है? आइए देखें कि इसके समर्थन में क्या प्रमाण मौजूद हैं। सभी चॉकलेट की शुरुआत कोको बीन से होती है।**

कोको बीन्स थियोब्रोमा कैकाओ नामक पेड़ के बीज होते हैं, जो मध्य और दक्षिण अमेरिका में पाया जाने वाला एक उष्णकटिबंधीय पौधा है। कोको बीन्स का प्रसंस्करण करने पर दो चीजे मिलती हैंकोको ठोस पदार्थ, जो चॉकलेट का कड़वा हिस्सा होता है और कोको बटर, जो उसमें मौजूद वसा है और चॉकलेट को मुलायम और चिकनी बनावट देता है। डार्क चॉकलेट में आमतौर पर कोको ठोस पदार्थ का अनुपात काफी अधिक होता है, जो आमतौर पर 50-90 प्रतिशत होता है। मिल्क चॉकलेट में आमतौर पर 20-30 प्रतिशत कोको ठोस पदार्थ होता है, जबकि शेष भाग में दूध के तत्व और चीनी होती है। डार्क चॉकलेट में मिल्क चॉकलेट की तुलना में अधिक कोको ठोस पदार्थ होता है, इसलिए इसमें स्वाभाविक रूप से कुछ खनिजों की मात्रा थोड़ी अधिक होती है। जैसा कि आप देख सकते हैं, डार्क

चॉकलेट में मैग्नीशियम, आयरन और जिंक जैसे खनिज अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसमें कैफीन की मात्रा भी काफी अधिक होती है (लेकिन एक सामान्य कप कॉफी की तुलना में बहुत कम, जिसमें लगभग 100 मिलीग्राम कैफीन होता है)। मिल्क चॉकलेट में दूध के ठोस पदार्थों के कारण कैल्शियम की मात्रा काफी अधिक होती है, लेकिन इसमें आमतौर पर अतिरिक्त चीनी की मात्रा अधिक होती है। कोको में प्राकृतिक रूप से पॉलीफेनॉल नामक पादप यौगिक प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। ए शरीर में एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करते हैं, जिससे शरीर की कोशिकाओं को क्षति से बचाने में मदद मिलती है। डार्क चॉकलेट में कोको की मात्रा अधिक होने के कारण, इसमें स्वाभाविक रूप से इन यौगिकों का स्तर भी अधिक होता है। वास्तव में, डार्क चॉकलेट में मिल्क चॉकलेट की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक फ्लेवनॉल (एक प्रकार का पॉलीफेनॉल) होता है। कोको और डार्क चॉकलेट पर किए गए शोध से कुछ दिलचस्प निष्कर्ष सामने आए हैं, खासकर हृदय स्वास्थ्य के बारे में। कोकोआ में पाए जाने वाले फ्लेवनॉल्स रक्त वाहिकाओं को आराम देने और बेहतर रक्त प्रवाह में सहायक प्रतीत होते हैं। कुछ नैदानिक परीक्षणों में कोकोआ उत्पादों के सेवन के बाद रक्तचाप में मामूली कमी और रक्त वाहिका कार्यप्रणाली में सुधार की जानकारी दी गई है। इसके अलावा, व्यापक प्रमाण से यह भी पता चलता है कि फ्लेवनोल्स से भरपूर आहार समग्र रूप से हृदय रोग के कम जोखिम से जुड़ा हो सकता है। डार्क चॉकलेट चुनना अपने आप में इसे सेहतमंद विकल्प नहीं बना देता, खासकर चीनी के मामले में। कुछ डार्क चॉकलेट में आश्चर्यजनक रूप से उच्च मात्रा में चीनी पाई जाती है। कोको की मात्रा और रेसिपी के आधार पर, कुछ डार्क चॉकलेट उत्पादों में 40-50 प्रतिशत तक चीनी होती है। मिल्क चॉकलेट की तुलना में डार्क चॉकलेट पोषक तत्वों से भरपूर होती है। लेकिन यह लाभ कितना अधिक है, यह कोको की मात्रा और इसे बनाने की विधि पर निर्भर करता है।

# जनता को गुमराह करने के लिए इमरान के बेटे का भाषण तोड़ा-मरोड़ा जा रहा : केपी मुख्यमंत्री अफरीदी

» पेशावर, भाषा।

**पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने रविवार को आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे कासिम खान के हालिया भाषण को सरकार द्वारा जनता को गुमराह करने के प्रयास में जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। अफरीदी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अधिकारी अपनी आर्थिक विफलताओं का दोष कासिम पर डालने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि अपनी अक्षमता को छिपा सकें।**

अफरीदी ने कहा, हमने कासिम खान के भाषण का उर्दू में अनुवाद किया है, ताकि देश के सामने तथ्य प्रस्तुत किए जा सकें। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता को गुमराह करने के प्रयास में भाषण को जानबूझकर गलत तरीके से पेश कर रही है। अंतरराष्ट्रीय मानकों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यूरोपीय देशों को व्यापारिक संबंधों के लिए लोकतंत्र, मानवाधिकार, पर्यावरण संरक्षण और पारदर्शी शासन का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा संघीय सरकार पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को दोषी ठहराने की कोशिश करते हुए इन सिद्धांतों का उल्लंघन कर रही है। अफरीदी ने दोहराया कि पाकिस्तान को जीएसपी प्लस व्यापार दर्जा प्राप्त करने के योग्य होना चाहिए और अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पंजाब और सिंध में पीटीआई के विधायकों और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा है और उन पर भीषण यातनाएं दी जा रही हैं। उन्होंने दोनों प्रांतों में पश्तूनों के खिलाफ जारी दमनकारी कार्रवाई और स्वतंत्र पत्रकारों के खिलाफ हिंसा की कड़ी निंदा की।

## श्रीलंका के राष्ट्रपति दिसानायके ने ईंधन भेजने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

**कोलंबो, (भाषा)।** श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ईंधन आपूर्ति में उत्पन्न व्यवधान के बीच भारत द्वारा तेल से भरा टैंकर भेजने के लिए रविवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के स्थानीय संचालन, लंका आईओसी (एलआईओसी) के माध्यम से आपातकालीन सहायता के रूप में, 20,000 मीट्रकि टन डीजल और 18,000 मीट्रिक टन पेट्रोल सहित 38,000 मीट्रिक टन ईंधन की एक खेप शनिवार को कोलंबो पहुंची। दिसानायके ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर रविवार को एक पोस्ट में कहा, कुछ दिन पहले मैंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण श्रीलंका में ईंधन आपूर्ति में हो रही दिक्कतों के बारे में बात की थी। भारत के त्वरित सहायता के लिए आभारी हूं। कल 38,000 मीट्रिक टन ईंधन कोलंबो पहुंचा। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर को भी उनके समर्थन के लिए धन्यवाद भी दिया। द्विपीय देश ने जमाखोरी और लंबी कतारों को रोकने के लिए 15 मार्च से ईंधन पर कोटा नियम लागू किया था।

### पूर्व प्रधानमंत्री ओली को ऑनलाइन माध्यम से अदालत में पेश किया गया, देशभर में प्रदर्शन जारी

# नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री ओली को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

» काठमांडू, भाषा।

**नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को रविवार को काठमांडू जिला न्यायालय ने पांच दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। वहीं, उनकी गिरफ्तारी के विरोध में देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन जारी हैं। ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पिछले साल आठ और नौ सितंबर को हुए जेन-जेड आंदोलन को दबाने में कथित संलिप्तता के आरोप में शनिवार को गिरफ्तार किया गया था। प्रदर्शनों के दौरान कुल 76 लोग मारे गए थे। नवगठित बालेंद्र शाह सरकार द्वारा अपनी कैबिनेट की पहली बैठक में जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों की जांच आयोग की रिपोर्ट को लागू करने का निर्णय लेने के एक दिन बाद दोनों नेताओं की गिरफ्तारी की गई।**

पुलिस ने लेखक को हत्या की घटनाओं में कथित संलिप्तता की जांच के लिए उनकी दस दिनों की हिरासत का अनुरोध करते हुए जिला अदालत में पेश किया। उन्हें पांच दिनों के लिए हिरासत में भेज दिया गया। जिला अदालत के सूचना अधिकारी दीपक कुमार श्रेष्ठ के मुताबिक खराब स्वास्थ्य के कारण पूर्व प्रधानमंत्री ओली को ऑलनाइन माध्यम से अदालत में पेश किया गया। ओली को गिरफ्तारी के बाद शनिवार को स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी सेहत बिगड़ गई। मौजूदा समय में उनका इलाज काठमांडू के महाराजगंज स्थित त्रिभुवन विश्वविद्यालय शिक्षण अस्पताल में किया जा रहा है। इस बीच, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के कार्यकर्ताओं ने पार्टी अध्यक्ष ओली की गिरफ्तारी के विरोध में मैतिघर में प्रदर्शन

किया। सीपीएन-यूएमएल ने काठमांडू समेत देशभर के जिला प्रशासन कार्यालयों (डीएओ) को गिरफ्तारियों के विरोध में एक विरोध पत्र सौंपा है। ओली की पार्टी शनिवार से ही देशभर में विरोध प्रदर्शन कर रही है। पार्टी अपने अध्यक्ष ओली को तत्काल रिहा करने की मांग कर रही है। नेपाल के उच्चतम न्यायालय के सूत्रों ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री ओली और तत्कालीन गृह मंत्री लेखक की रिहाई का अनुरोध करते हुए अदालत में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई है। स्थानीय मीडिया ने एक अन्य घटनाक्रम में बताया कि नेपाल पुलिस ने रविवार को पूर्व ऊर्जा मंत्री और नेपाली कांग्रेस के नेता दीपक खड़का को धनशोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया। धनशोधन

## नेपाल सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्रियों की संपत्तियों की जांच के लिए आयोग का गठन किया

**काठमांडू।** नेपाल की नवगठित सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी 100 सूत्री कार्य योजना के तहत पूर्व प्रधानमंत्रियों की संपत्तियों की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया है। शनिवार को मंत्रिमंडल ने वरिष्ठ राजनेताओं और उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों की संपत्तियों की चरणबद्ध तरीके से जांच करने के लिए सत्ता दुरुपयोग जांच आयोग (सीआईएए) के गठन का निर्णय लिया। इस समिति में कानून, वित्त, राजस्व और अनुसंधान के विशेषज्ञ शामिल हैं। सीआईएए प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल के अधीन कार्य करेगा। माय रिपब्लिका की खबर के मुताबिक, पहले चरण में, 2006 की नेपाल क्रांति के बाद सार्वजनिक पदों पर आसीन सभी लोगों की जांच की जाएगी और आयोग 15 दिनों के भीतर जांच पूरी करेगा।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com